दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

मंगलवार 01 जुलाई 2025
सूर्योदय प्रात: 05:26 बजे
सूर्यास्त सांय 19:24 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 नया बहुआयामी शक्तिशाली देश बने भारत

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 256 | गाजियाबाद, मंगलवार 01 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

कर्नाटक बैंक के प्रबंध निदेशक, कार्यकारी निदेशक ने दिया इस्तीफा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। निजी क्षेत्र के कर्नाटक बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीकृष्णन हरिहर शर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। कर्नाटक बैंक ने सोमवार को बयान में कहा, इसके अलावा कार्यकारी निदेशक (ईडी) शेखर राव ने मंगलुरु स्थानांतरित होने में असमर्थता और अन्य व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ दिया है। शर्मा का इस्तीफा 15 जुलाई से प्रभावी होगा। बैंक ने कहा कि शर्मा ने निजी कारणों का हवाला दिया है, जिसमें मुंबई में स्थानांतरित होने का उनका निर्णय भी शामिल है। बैंक के निदेशक मंडल के साथ उनके विवाद की खबरों के बीच ये इस्तीफे दिए गए हैं।

जल शक्ति मंत्रालय ने भूजल वैज्ञानिकों की भर्ती के लिए मसौदा दिशानिर्देश जारी किए

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। जल शक्ति मंत्रालय ने केंद्रीय भूजल बोर्ड में श्रेणी- ए के वैज्ञानिकों की भर्ती और पदोन्नति के नियमों में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव किया है, जिसमें एक सुव्यवस्थित पदोन्नति मार्ग, क्षेत्र अनुभव की अनिवार्यता, शतरबद्ध प्रदर्शन मूल्यांकन और नए प्रशिक्षण की आवश्यकताएं शामिल हैं। वैज्ञानिक श्रेणी- बी से लेकर श्रेणी – जी तक के पदों के लिए मसौदा नियमों को सार्वजनिक परामर्श के मकसद से प्रकाशित किया गया है और हितधारकों को 13 जुलाई तक अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत करनी है। यह मसौदा अधिसूचना, नियमों को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा 2024 में प्रस्तुत किए गए 'रिवाइज्ड फ्लेक्सिबल कांप्लीमेंट स्कीम' के अनुरूप बनाती है।

बांग्ला भाषी प्रवासियों का भाजपा शासित राज्यों में जमकर हो रहा 'उत्पीड़न' : टीएमसी सांसद

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद समीरुल इस्लाम ने सोमवार को आरोप लगाया कि बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन वाले राज्यों में 'उत्पीड़न' का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें बांग्लादेशी करार दिया जा रहा है। इस्लाम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''इन प्रवासी श्रमिकों को बिना किसी पुलिस रिकॉर्ड के हिरासत में लिया जा रहा है। अधिकारी उनकी नागरिकता सत्यापित करने के लिए राज्य सरकार से संपर्क भी नहीं कर रहे हैं। तो फिर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह का मकसद क्या है?'' उन्होंने लिखा, ''क्या वे सभी भारतीय कानूनों को दरकिनार करते हुए बंगाल को अवैध तरीके से दंडित करने का इरादा रखते हैं, सिर्फ इसलिए कि वे राज्य में चुनाव जीतने में नाकाम रहे?''

'आगमन पर वीजा' कार्यक्रम का विस्तार स्थायी साझेदारी का प्रतिबिंब : यूएई के राजदूत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राजदूत अब्दुलनासिर अलशाली ने कहा कि भारतीय नागरिकों के लिए यूएई के 'आगमन पर वीजा' कार्यक्रम का विस्तार भारत के साथ इसकी स्थायी साझेदारी का प्रतिबिंब है।नई दिल्ली में यूएई के मिशन ने भारतीय नागरिकों के लिए विस्तारित 'आगमन पर वीजा' नीति के महत्व को रेखांकित किया है और इसे द्विपक्षीय संबंधों तथा लोगों के जुड़ाव को आगे बढ़ाने में मील का एक महत्वपूर्ण पत्थर बताया है।भारत यूएई की पर्यटन सफलता का आधार बन गया है। एक अनुमान के अनुसार 2023 में लगभग 45 लाख भारतीयों ने इस देश की यात्रा की।ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य और सिंगापुर से वैध निवास परमिट वाले भारतीय पासपोर्ट धारक यूएई के सभी प्रवेश बिंदुओं पर 'आगमन पर वीजा' प्राप्त करने के पात्र हैं।

ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में काम करें युवा डॉक्टर: द्रौपदी मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने युवा डॉक्टरों से ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में समाज के उन वर्गों के लिए काम करने का आग्रह किया है जिन्हें चिकित्सा सेवाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है।

श्रीमती मुर्मु ने सोमवार को गोरखपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के पहले दीक्षांत समारोह में कहा कि इस संस्थान और अन्य एम्स की स्थापना देश के हर कोने में उत्कृष्ट चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि समाज और देश के विकास में डॉक्टरों की अहम भूमिका होती है। डॉक्टर न सिर्फ बीमारियों का इलाज करते हैं, बल्कि स्वस्थ समाज की नींव भी रखते हैं। स्वस्थ नागरिक ही राष्ट्र की प्रगति में भागीदार बन सकते हैं।

उन्होंने युवा डॉक्टरों से समाज के उन वर्गों के लिए काम करने का आग्रह किया जिन्हें चिकित्सा सेवाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है। उन्होंने कहा कि कई ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में अभी भी वंचित समुदायों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा डॉक्टर इस बारे में सोचेंगे और ऐसे इलाकों और लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टरों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है लेकिन सहानुभूति के महत्व को समझना जरूरी है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा से जुड़े सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे भावी डॉक्टरों को शुरू से ही ऐसा माहौल उपलब्ध कराएं जिसमें वे डॉक्टर-रोगी संवाद, उपचार में सहानुभूति की भूमिका और विश्वास निर्माण जैसे विषयों के साथ-साथ अपने कौशल के बारे में भी जानें तथा उन्हें अपनी कार्यशैली में अपनाएं।

उन्होंने डॉक्टरों को सलाह दी कि वे अपने करियर और जीवन में इस बात को याद रखें कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं बल्कि मानवता की सेवा है। उन्होंने डॉक्टरों से कहा कि वे करुणा और ईमानदारी को अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाएं।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि एम्स संस्थान भारत की चिकित्सा क्षमता के प्रतीक हैं और इनका नाम सुनते ही मन में विश्वस्तरीय उपचार,उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएं, आधुनिक तकनीक और समर्पित डॉक्टरों की छवि उभरती हैं। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में हर मरीज को उम्मीद की एक नई किरण दिखाई देती है। एम्स ने भारत में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और उपचार के क्षेत्र में उच्चतम मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि चाहे सर्जरी की नई तकनीक हो, शीघ्र निदान के लिए उपकरण हो या आयुष और एलोपैथी के संयोजन से रोगों का उपचार हो, एम्स ने नवाचार को अपनी कार्यशैली का हिस्सा बनाया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह कहा जा सकता है कि सभी एम्स संस्थान देश के पहले एम्स की स्थापना के उद्देश्य को पूरा करने में सफल रहे हैं।

मतदाता सूची की समीक्षा की जरूरत, सिर्फ पात्र नागरिक हो सकते हैं शामिल : निर्वाचन आयोग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की जरूरत है क्योंकि ये कई कारणों से बदलती रहती हैं और संविधान में प्रावधान है कि केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची का हिस्सा हों और जो नहीं हैं, वो वोट नहीं दे सकें।

आयोग ने यह टिप्पणी उस वक्त की है, जब कई विपक्षी दलों ने कहा है कि गहन पुनरीक्षण के कारण राज्य मशीनरी का उपयोग करके बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किए जाने का खतरा है।

आयोग ने एक बयान में कहा कि मतदाता सूची में संशोधन जरूरी है क्योंकि यह निरंतर बदलाव से गुजरने वाली सूची होती है जो मौतों, प्रवासन के कारण लोगों के स्थानांतरण और 18 वर्ष के नए मतदाताओं के जुड़ने के कारण बदलती रहती है।

बयान में कहा गया है, ''इसके अलावा, संविधान का अनुच्छेद 326 निर्वाचक बनने के लिए पात्रता निर्दिष्ट करता है। केवल 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय नागरिक और संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के निवासी ही निर्वाचक के रूप में पंजीकृत होने के पात्र हैं।''

निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसने बिहार की 2003 की मतदाता सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। इसमें 4.96 करोड़ मतदाताओं का विवरण शामिल है। इसका उपयोग 2003 की सूची में शामिल लोग अपना गणना फॉर्म जमा करते समय दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में कर सकते हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची की उपलब्धता के कारण राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में काफी सुविधा होगी क्योंकि अब कुल मतदाताओं में से लगभग 60 प्रतिशत को कोई दस्तावेज जमा नहीं करना होगा। उन्हें बस 2003 की मतदाता सूची से अपना विवरण सत्यापित करना होगा और भरा हुआ गणना फॉर्म जमा करना होगा।

मतदाता और बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) दोनों ही इन विवरणों को आसानी से देख सकेंगे।

इसमें कहा गया है कि जिस किसी का नाम 2003 की बिहार मतदाता सूची में नहीं है, वह अब भी अपनी मां या पिता के लिए कोई अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराने के बजाय 2003 की

रेलवे अब आठ घंटे पहले तैयार करेगा आरक्षण तालिका

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रेल मंत्रालय ने दूरदराज के स्थानों से यात्रा करने वाले यात्रियों को यात्रा की बेहतर योजना बनाने में मदद के वास्ते लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए मौजूदा चार घंटे के बजाय आठ घंटे पहले आरक्षण तालिका तैयार करने का फैसला किया है।

रेल मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि यह निर्णय हाल में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के दौरान लिया गया। वैष्णव के मार्गदर्शन में, अधिकारी मौजूदा चार घंटे के बजाय ट्रेन के प्रस्थान से आठ घंटे पहले आरक्षण चार्ट तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि अपराह्न दो बजे से पहले रवाना होने वाली ट्रेनों के लिए चार्ट पिछली रात नौ बजे तैयार किया जाएगा। इसमें कहा गया कि रेल मंत्री ने निर्देश दिया है कि चरणबद्ध तरीके से बदलाव को लागू किया जाए जिससे कोई अवरोध पैदा नहीं हो।

इस कदम से प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों के लिए अनिश्चितता कम हो जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि प्रतीक्षा सूची की स्थिति पर पहला अपडेट पहले ही साझा किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा, ''इससे लंबी दूरी की ट्रेनों को पकड़ने के लिए दूरदराज के स्थानों या प्रमुख शहरों के उपनगरों से यात्रा करने वाले यात्रियों को फायदा होगा। यह प्रतीक्षा सूची से आरक्षण नहीं होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए अधिक समय भी प्रदान करेगा।''

मंत्रालय के अनुसार, ''नई उन्नत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) प्रति मिनट 1.5 लाख से अधिक टिकट बुकिंग की अनुमति देगी। यह वर्तमान पीआरएस में प्रति मिनट 32,000 टिकट से लगभग पांच गुना अधिक होगा।'' मंत्रालय ने कहा कि नए पीआरएस में बहुभाषी और उपयोगकर्ता के अनुकूल बुकिंग और पूछताछ इंटरफेस भी है।

नए पीआरएस में, उपयोगकर्ता अपनी पसंद की सीट बता सकेंगे और किराया कैलेंडर देख सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि इसमें दिव्यांगजन, छात्रों और मरीजों के लिए एकीकृत सुविधाएं भी हैं। मंत्रालय ने कहा, ''भारतीय रेलवे 1 जुलाई, 2025 से आईआरसीटीसी की वेबसाइट और इसके मोबाइल ऐप पर केवल सत्यापित उपयोगकर्ताओं को ही तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति देगा।'' उसने इस बात पर जोर दिया कि जुलाई के अंत से तत्काल बुकिंग के लिए ओटीपी-आधारित सत्यापन किया जाएगा। मंत्री ने अधिकारियों को तत्काल बुकिंग के लिए सत्यापन तंत्र को व्यापक बनाने का निर्देश दिया।

बयान में कहा गया है, ''आधार या उपयोगकर्ता के डिजिलॉकर खाते में उपलब्ध किसी अन्य सत्यापन योग्य सरकारी आईडी का उपयोग करके सत्यापन किया जाना चाहिए।''

खरगे, राहुल ने कहा : तेलंगाना सरकार संगारेड्डी हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य में जुटी है

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में एक दवा उत्पादन संयंत्र में हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत पर सोमवार को दुख जताया और कहा कि प्रदेश सरकार तथा स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार को एक दवा उत्पादन संयंत्र में हुए संदिग्ध विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य लोग घायल हो गए।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में एक रासायनिक कारखाने में विस्फोट के बाद कई लोगों की मौत से बेहद दुखी हूं। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।''

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और अधिकारी उनके बचाव प्रयासों में युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं और घायलों को तत्काल चिकित्सा और अन्य सहायता प्रदान कर रहे हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाके की खबर बेहद दुखद और चिंताजनक है। इस हादसे में जिन्होंने अपने प्रियजन को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं।'' उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार और प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में जुटे हैं तथा प्रभावित लोगों तक हरसंभव मदद पहुंचाने की कोशिश जारी है। राहुल गांधी ने कहा, ''इस मुश्किल वक्त में हम हर तरह से पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं।'' <

कमजोर समुदाय के बच्चों के शिक्षा अधिकार को छीन रहा है भाजपा का विकास मॉडल : राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को दलित, आदिवासी और पिछड़ा विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा है कि भाजपा का विकास मॉडल इन वर्गों के बच्चों के शिक्षा के अधिकारों को छीनने वाला है।

इसीलिए भाजपा सरकार के आने के बाद 84 हजार से अधिक सरकारी स्कूल बंद किये गये हैं।श्री गांधी ने कहा, "भाजपा का विकास मॉडल ग़रीबों से, खासकर दलितों, आदिवासियों और ओबीसी बच्चों से, शिक्षा का अधिकार छीनने वाला मॉडल है। उत्तर प्रदेश में 5,000 से अधिक सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं।

साल 2014 से अब तक देशभर में 84,441 सरकारी स्कूल बंद किए गए हैं जिनमें से अधिकांश तीन भाजपा शासित राज्यों, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में बंद हुए हैं।"

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ स्कूल बंद करना नहीं है, बल्कि संविधान में दिए गए शिक्षा के अधिकार और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के उस ऐतिहासिक कानून पर सीधा हमला है, जिसने हर गांव के बच्चे को स्कूल तक पहुंचाया और नामांकन में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की थी। बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा था कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पिएगा वह दहाड़ेगा, लेकिन आज शिक्षा ही छीनी जा रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि स्कूल बंद करने के फैसले के ख़िलाफ़ छात्र और शिक्षक सड़कों पर हैं, मगर सरकार उनकी आवाज़ सुनने के बजाय उन्हें सताने और शिक्षा व्यवस्था को और कमज़ोर करने में जुटी है।

जबकि ज़रूरत इसे मजबूत करने और हर बच्चे तक समान, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने की है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी भूटान की चार दिवसीय यात्रा पर गये

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी सोमवार को भूटान की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए।

अधिकारियों के मुताबिक, रणनीतिक रूप से अहम स्थान पर स्थित डोकलाम पठार के आसपास बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के चीन के अथक प्रयासों की पृष्ठभूमि में सेना प्रमुख पड़ोसी मुल्क गए हैं।

भूटान के साथ पहले से ही घनिष्ठ द्विपक्षीय सैन्य संबंध हैं और उनकी इस यात्रा से रिश्तों के और मजबूत होने की उम्मीद है।

अधिकारियों ने बताया कि भूटान की राजधानी थिम्पू में जनरल द्विवेदी राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात करेंगे और भूटान के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बट्टू शेरिंग के साथ व्यापक वार्ता करेंगे।

सेना प्रमुख की 30 जून से तीन जुलाई तक की भूटान यात्रा बदलते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के बीच हो रही है। इसी के साथ वह पाकिस्तानी क्षेत्रों में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए भारत द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के सात सप्ताह बाद पड़ोसी देश गए हैं।

भारतीय सेना ने कहा, ''इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच स्थायी द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।'' उसने कहा कि यह अपने पड़ोसी के प्रति भारत की कटिबद्धता को दर्शाता है। उम्मीद है कि जनरल द्विवेदी की भूटानी वार्ताकारों के साथ होने वाली वार्ता में डोकलाम पठार की समग्र स्थिति के साथ-साथ क्षेत्र में चीनी गतिविधियां जैसे विषय छाये रहेंगे। वर्ष 2017 में 'डोकलाम ट्राई-जंक्शन' में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच 73 दिनों तक चले गतिरोध की पृष्ठभूमि में पिछले कुछ वर्षों में भारत और भूटान के बीच रणनीतिक संबंधों में खासी मजबूती आई है।

संक्षिप्त समाचार

घर बना 'नागलोक', टाइल्स के नीचे नाग-नागिन के साथ 35 सांप निकले; दो कमरों तक फैला था कुनबा

रायपुर, एजेंसी। सांप को देखकर किसी के भी होश उड़ जाए। ऐसे में जब किसी के घर में एक-दो नहीं, बल्कि कई दर्जन सांप निकल आए तो सोचिए क्या होगा। सांपों के कुनबे में एक नाग-नागिन का जोड़ा भी हो तो उस घर में रहने वालों की क्या हालत होगी ऐसा ही एक हैरान करने वाला मामला छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से सटे आरंग क्षेत्र के ग्राम देवरी में सामने आया है। एक घर से नाग-नागिन सहित उनके 35 बच्चे भी मिले हैं। सापों को देखने के लिए घर के बाहर भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

नागलोक जैसी घटना आरंग से लगे देवरी गांव में इंद्र कुमार साहू के घर पर हुआ है। यहां नाग-नागिन और लगभग 35 छोटे-छोटे सांप मिले हैं। इस घर में इंद्र कुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं। कुछ दिन पहले घर के अंदर से उन्हें दो छोटे-छोटे नाग सांप मिले, जिसे उन्होंने घर से बाहर निकालकर छोड़ दिया। ऐसी आशंका हुई कि बारिश के कारण सांप बाहर निकले होंगे। दूसरे दिन फिर सांप निकला। इसे परिवार के लोग घबरा गए और चीखते-चिल्लाते हुए घर से बाहर निकल आए।

इंद्र कुमार ने इसकी जानकारी गांववालों को दी। गांव के ही सांप पकड़ने वाले एक व्यक्ति को बुलाया गया। टाइल्स को ठोक-ठोक कर देखने पर एक जगह खाली जगह होने की आवाज आई। इसके बाद घर के दो कमरे में लगी टाइल्स को निकालने पर नाग-नागिन और लगभग 35 छोटे-छोटे सपोले निकले। इसकी जानकारी डायल 112 के माध्यम से पुलिस को दी गई।

देवरी गांव के एक घर में बड़ी संख्या में नाग मिलने की सूचना तेजी से आसपास के गांवों में फैल गई। इसके बाद काफी भीड़ जुट गई। आरंग पुलिस भी मौके पर पहुंची। सांप पकड़ने वालों की मदद से सांपों को रेस्क्यू कर उसे दूसरी जगह पर छोड़ दिया गया। वहीं इस घटना के बाद से गांव में दहशत भी देखा गया। किसी और घर में तो सांपों ने घर नहीं बना लिया होगा। सोशल मीडिया में इस घटना की दिनभर चर्चा होती रही।

नायब सैनी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी, किस बात पर भड़के हैं कर्मचारी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में नायब सैनी सरकार के खिलाफ कर्मचारियों में नाराजगी है। यह कर्मचारी यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) पर सैनी सरकार के फैसले से भड़के हुए हैं। अब इन कर्मचारियों ने नौ जुलाई से हड़ताल की तैयारी कर रखी है। सैनी सरकार के फैसले पर ऑल-इंडिया स्टेट गवर्नमेंट इंप्लॉइज फेडरेशन के अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राय सरकार ने कर्मचारियों से बातचीत किए बिना एकतरफा रूप से यूपीएस लागू करने का निर्णय लिया है। इसके चलते कर्मचारियों में काफी असंतोष है। लांबा ने कहाकि इस निर्णय का विरोध विभिन्न लोकतांत्रिक साधनों से किया जाएगा। इसी सिलसिले में 9 जुलाई को हड़ताल का आह्वान किया गया है। सुभाष लांबा ने दावा किया कि सरकार ने कर्मचारियों को नए पेंशन योजना (एनपीएस) और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के बीच चुनने का विकल्प देने का निर्णय लिया था। इसको जनवरी 2006 से लागू किया जाना था। लेकिन अब सरकार ने अपने वादे से पीछे हटते हुए प्रतीत हो रही थी। उन्होंने कहाकि अगर वास्तव में सरकार को कर्मचारियों के हक की चिंता है तो उन्हें ओपीएस, एनपीएस और यूपीएस के बीच चुनने का विकल्प देना चाहिए। लांबा ने कहाकि केंद्रीय व्यापार संघों और केंद्रीय तथा राय सरकार के कर्मचारियों के संघों ने 9 जुलाई को हड़ताल का ऐलान किया है। हमारी मुख्य मांग पुरानी पेंशन फिर से लागू करना है। सुभाष लांबा के मुताबिक यूपीएस लागू करने के एकतरफा फैसले के खिलाफ पेंशन बहाली संघर्ष समिति समेत राय के सभी कर्मचारी संगठन शामिल हैं।

मराठी मानुष के सामने हार गई महाराष्ट्र सरकार, हिंदी पर फैसला वापस होने पर उद्धव ठाकरे का तंज

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार के हिंदी अनिवार्य करने के फैसले को वापस लेने के बाद शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे ने फडणवीस सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार राज्य के स्कूलों में पहली से पांचवी तक की कक्षाओं में तीन भाषा नीति के तहत हिंदी अनिवार्य करने के फैसले को वापस ले लिया है। मतलब सरकार ने मराठी मानुष के सामने हार मान ली है। दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे के साथ में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने वाले उनके चचेरे भाई और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने भी इस सफलता का श्रेय मराठी मानुष को ही दिया।

मीडिया से बात करते हुए उद्धव ने देवेंद्र फडणवीस की सरकार के ऊपर मराठी मानुष की एकता को तोड़ने और मराठी और गैर-मराठियों लोगों के बीच में विभाजन पैदा

करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ÷सरकार मराठी मानुष की ताकत से हार गई। सरकार को यह अहसास नहीं था कि मराठी मानुष इस तरह एकजुट हो जाएगा।''

दूसरी तरफ राज ठाकरे ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा कि हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए राज्य सरकार पर किसने दबाव डाला, यह रहस्य बना हुआ है। मनसे अप्रैल 2025 से इस मुद्दे को उठा रही थी, जिसके बाद अन्य राजनीतिक दलों और संगठनों ने इसका हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''अगर (5 जुलाई को) मोर्चा होता, तो इससे संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन की यादें ताजा हो जातीं। सरकार को इसका डर होना चाहिए। यह डर होना चाहिए।''

शिवसेना (उबाठा) में ठाकरे के सहयोगी संजय राउत ने घोषणा की थी कि पांच जुलाई को मराठी आरक्षण आंदोलन के विरोध में आयोजित रैली रद्द कर दी गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा फैसला वापस लिये जाने के बाद कहा कि अब यह आयोजन मराठी एकता की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक विजय जुलूस होगा। ठाकरे ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को झूठ की फैक्टरी भी करार दिया।

वीजा नहीं मिला तो तार के नीचे से आ गया पाकिस्तानी कपल, रेगिस्तान में भूख-प्यास ने ले ली जान

जैसलमेर, एजेंसी। जैसलमेर के सुनसान रेगिस्तान में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पाकिस्तानी कपल 17 साल के रविकुमार और 15 साल की शांति बाई ने बेहतर जिंदगी की तलाश में भारत की सीमा पार की, लेकिन उनकी यह ख्वाहिश प्यास और गर्मी की भेंट चढ़ गई। जैसलमेर के पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि शनिवार को बिभियान रेगिस्तान में उनके शव बरामद हुए, जिनके पास खाली पानी का कैन पड़ा था। माना जा रहा है कि डिहाइड्रेशन और तपती गर्मी ने उनकी जान ले ली। रवि और शांति की शादी चार महीने पहले पाकिस्तान के सिंध प्रांत के मीरपुर मथेलो, घोटकी जिले में हुई थी। यह शादी उनके परिवारों ने तय की थी। भारत में सुरक्षित और बेहतर जिंदगी का सपना देखते हुए दोनों ने वीजा के लिए आवेदन किया था, लेकिन भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण रिश्तों के कारण उनकी अर्जी खारिज हो गई। फिर भी, हार न मानते हुए उन्होंने अवैध रूप से सीमा पार करने का जोखिम भरा फैसला लिया। पुलिस के मुताबिक, रवि के पिता ने उन्हें सीमा पार करने के खतरों से आगाह किया था। एक हफ्ते पहले इस बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस भी हुई थी, लेकिन रवि अपने इरादे से नहीं डिगे।

नवजात बच्ची को लावारिस हालत में टोकरी में छोड़ा, नोट डालकर लिख दिया सॉरी

मुंबई, एजेंसी। नवी मुंबई के पनवेल इलाके में तीन दिन की नवजात बच्ची को लावारिस हालत में टोकरी में छोड़ दिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। बच्ची के साथ एक नोट भी मिला है, जिसमें उसके माता-पिता ने आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते उसे पालने में असमर्थ होने की बात लिखी है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को पनवेल क्षेत्र के टक्का कॉलोनी में सड़क किनारे नीले रंग की टोकरी में नवजात बच्ची को देख एक स्थानीय निवासी ने पुलिस को सूचना दी। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को अपनी हिरासत में ले लिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि टोकरी में एक नोट भी मिला है, जो अंग्रेजी में लिखा गया है। इसमें बच्ची के माता-पिता ने लिखा है कि वे बेहद गरीब हैं और बच्ची को पालने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। उन्होंने नोट में सॉरी लिखते हुए खेद भी जताया है। पुलिस ने बच्ची को तुरंत डॉक्टर के पास पहुंचाया, जहां जांच में उसकी हालत स्थिर पाई गई। अधिकारी ने बताया कि बच्ची के माता-पिता की तलाश की जा रही है।

नवजात को छोड़ने का मामला दर्ज: पनवेल टाउन पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता) की संबंधित धाराओं के तहत नवजात को छोड़ने का मामला दर्ज किया

है। दूसरी ओर, केरल के त्रिशूर जिले में एक युवक रविवार तड़के नशे की हालत में थाने पहुंचा और दावा किया कि उसके बैग में 2 नवजात शिशुओं के कंकाल हैं। पुलिस के अनुसार, युवक ने पुडुक्कड़ थाने में अधिकारियों को बताया कि ये नवजात शिशु एक महिला के साथ उसके संबंधों से पैदा हुए थे। पुलिस के मुताबिक युवक ने दावा किया कि दोनों बच्चों की मौत अलग-अलग समय और स्थान पर हुई थी।

31 मार्च 2026 से पहले इस देश से नक्सलवाद को मिटा दिया जाएगा: अमित शाह

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माओवादियों के साथ किसी भी तरह की बातचीत से साफ इनकार किया है। रविवार को उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित संगठन के कार्यकर्ताओं को हथियार छोड़ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर देना चाहिए और मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा, हथियार छोड़ो और आत्मसमर्पण करो। अगर आप आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो हमने तय किया है कि 31 मार्च 2026 से पहले इस देश से नक्सलवाद को मिटा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर में करीब 10 हजार लोगों ने हथियार छोड़ दिए और मुख्यधारा में शामिल हो गए। शाह ने कहा कि इन लोगों ने तालुक स्तर से लेकर राज्य विधानसभाओं तक के पदों के लिए हुए चुनावों में भी हिस्सा लिया। इसी तरह पिछले डेढ़ साल में 2,000 से ज्यादा माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।

तेलंगाना के निजामाबाद में हल्दी बोर्ड के राष्ट्रीय मुख्यालय का उद्घाटन करने के बाद अमित शाह ने रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठा रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ऑपरेशन के प्रभाव को समझने के लिए पाकिस्तान की कमजोर छवि देखनी चाहिए। शाह ने कहा, 'कांग्रेस इन लोगों (माओवादियों) से बातचीत करने को कहती है। हमारी सरकार की हथियार रखने वालों से बात नहीं करने की नीति है। हथियार छोड़ दें, आत्मसमर्पण करें और मुख्यधारा में शामिल हों।

मध्य प्रदेश में नक्सल समस्या खात्मे की ओर: डीजीपी

दूसरी ओर, मध् यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने रविवार को दावा किया कि सूबे में केवल एक जिले में सीमित नक्सल समस्या भी अब खात्मे की ओर है। राज्य पुलिस ने पिछले छह महीने के भीतर मुठभेड़ों में 10 नक्सलियों का सफाया करके बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार ने देश भर में नक्सलवाद को मार्च 2026 तक पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य तय किया है। मकवाना ने इंदौर जोन के पुलिस अधिकारियों की बैठक के दौरान बताया, 'नक्सल समस्या कई वर्षों से देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। हालांकि, मध्यप्रदेश में मोटे तौर पर नक्सल समस्या से केवल बालाघाट जिला प्रभावित है।' उन्होंने बताया कि प्रदेश पुलिस ने पिछले छह महीने के दौरान मुठभेड़ों में 10 नक्सलियों का खात्मा किया है और यह एक रिकॉर्ड है।

नूंह को मिली नई सौगात, 100 बेड के जचा-बचा अस्पताल के निर्माण को मंजूरी

फरीदाबाद, एजेंसी। नूंह के शहीद हसन खान मेवाती सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचने वाले लोगों के लिए राहत की खबर है। अस्पताल परिसर में मातृ एवं शिशुओं के बेहतर इलाज के लिए 100 बेड का अलग से अस्पताल बनाया जाएगा। सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। अगले माह से निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

नूंह शहीद हसन खान मेवाती सरकारी मेडिकल कॉलेज एंव अस्पताल में अभी मातृ एवं शिशुओं के बेहतर इलाज की सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। गंभीर मामलों के लिए मरीजों को पहले फरीदाबाद के बीके अस्पताल रेफर किया जाता है। यहां भी सुविधाओं का काफी अभाव है। इस कारण मरीजों को दिल्ली के बड़े सरकारी अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है, जिससे समय की बर्बादी के साथ कई बार गंभीर मरीजों की जान को खतरा रहता है। नया अस्पताल बनने से मरीजों को यहीं उच स्तरीय इलाज मिल सकेगा।

अस्पताल में मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी

आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शिशुओं के लिए एनआईसीयू (नवजात गहन चिकित्सा इकाई), वेंटिलेटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में गिरावट की उम्मीद: अस्पताल बनने से न केवल मातृ-शिशु दर में कमी आएगी, बल्कि जन्म के समय नवजातों को बेहतरीन जीवन रक्षण भी मिल सकेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच व इलाज के लिए आगे आएंगी।

मेडिकल कॉलेज को भी मिलेगा विस्तार: अस्पताल के निर्माण से शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज की चिकित्सा सुविधाओं और शैक्षणिक गतिविधियों में भी विस्तार होगा। चिकित्सा छात्रों को व्यवहारिक प्रशिक्षण और शोध के लिए एक नया मंच मिलेगा, जिससे संस्थान की गुणवत्ता और प्रतिष्ठा में इजाफा होगा।

स्थानीय लोगों में खुशी: सरकार के इस फैसले से नूंह जिले के लोगों में खुशी का माहौल है। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय पंचायतों ने इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया है। लोगों ने कहा कि इससे विशेष रूप से गरीब और पिछड़े वर्ग की महिलाओं को लाभ होगा जो आर्थिक स्थिति के कारण बड़े शहरों में इलाज नहीं करा पाती थीं। सरकार के इस फैसले से नूंह जिले के लोगों में खुशी का माहौल है।

यूपी में सड़क हादसा, ट्रक की टक्कर से कांस्टेबल और उसके बेटे की दर्दनाक मौत

पीलीभीत, एजेंसी। यूपी के पीलीभीत में सड़क हादसा हो गया। पीलीभीत-शाहजहांपुर हाईवे पर बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार एसएसबी कांस्टेबल और उसके पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली बीसलपुर पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भिजवाए। हादसा करने के बाद ट्रक को लेकर चालक मौके से फरार हो गया। कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम परसिया निवासी 36 वर्षीय वीरपाल एसएसबी में कांस्टेबल है। उनकी ड्यूटी पीलीभीत में चल रही है। सोमवार सुबह वीरपाल अपने 15 वर्षीय पुत्र सुमित के साथ बाइक से शेरगंज रेलवे स्टेशन पर जा रहे थे। वहां से ट्रेन पकड़ कर उन्हें पीलीभीत ड्यूटी पर आना था। जैसे ही यह लोग कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र के हाईवे पर टोल टैक्स के समीप पहुंचे तभी सामने से आ रहे ट्रक ने उनको टक्कर मार दी। हादसे में दोनों पिता पुत्र की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा होते ही ट्रक चालक ट्रक को लेकर मौके से भाग निकला। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की काफी भीड़ एकत्र हो गई सूचना पुलिस को दी गई तो कोतवाली बीसलपुर पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाए। मृतक सुमित भी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बीसलपुर में इंटरमीडिएट का छात्र था। पिता पुत्र की मौत के बाद परिजनों के साथ-साथ ग्रामीणों में भी शौक की लहर दौड़ गई। प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार शुक्ला ने बताया दुर्घटना करने वाले ट्रक और चालक की तलाश की जा रही है। घटनास्थल पर आसपास लगे सीसी कैमरा के माध्यम से तलाश चल रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पापा मुझे चॉकलेट खानी है पैसे देदो... ये सुनकर गुस्साए पिता ने कर दी 4 साल की अपनी बेटी की हत्या

लातूर, एजेंसी। महाराष्ट्र के लातूर जिले से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आयी है।शराब के आदी एक व्यक्ति ने अपनी चार वर्षीय बेटी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी, क्योंकि उसने चॉकलेट खरीदने के लिए पैसे मांगे थे।

बेटी ने मांगी पापा से चॉकलेट, पिता ने कर दी गला घोंटकर हत्या : शराब के आदी एक व्यक्ति ने चॉकलेट खरीदने के लिए पैसे मांगने पर अपनी चार वर्षीय बेटी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान बालाजी राठौड़ के रूप में हुई है और उसे घटना के बाद हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

शराब की लत के कारण परिवार से करता था शराबी रोज झगड़ा: अधिकारी ने बताया, ''राठौड़ शराब पीने का आदी है जिसके कारण उसके परिवार में अक्सर झगड़े होते रहते थे। उसकी पत्नी उसे छोड़कर अपने पिता के साथ रहने लगी थी। दोपहर में उसकी बेटी आरुषि ने उससे चॉकलेट खरीदने के लिए पैसे मांगे। गुस्से में आकर उसने साड़ी से उसका गला घोंटकर हत्या कर दी।''

बेटी की हत्या के बाद पत्नी ने मांगी पति के लिए मौत की सजा : राठौड़ की पत्नी वर्षा ने अपने पति के लिए मृत्युदंड की मांग की है। आरोपी लातूर जिले के उदगीर तालुका के भीमा टांडा का रहने वाला है। पुलिस ने उसकी पत्नी की शिकायत पर प्राथमिकि दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। जांच जारी है।

कौन हैं आईपीएस कुंवर विजय प्रताप सिंह, आईजी का पद छोड़ लड़ा चुनाव; अब आम आदमी पार्टी से निलंबित

अमृतसर, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने अमृतसर नॉर्थ से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह को पार्टी से 5 साल के लिए सस्पेंड कर दिया है। उन पर अनुशासनहीनता और पार्टी के विपरीत चलने के आरोप लगे हैं। उन्होंने अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की गिरफ्तारी पर अपनी ही पार्टी पर सवाल उठाए थे। यह नया मामला नहीं है। पहले भी अक्सर कई बार वह आम आदमी पार्टी सरकार पर सवाल उठाते रहे हैं। मूलरूप से बिहार के जिले गोपालगंज के रहने वाले कुंवर विजय प्रताप सिंह पंजाब कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं। कुंवर विजय प्रताप ने बतौर आईजी अमृतसर जोन के बॉर्डर जिलों में उल्लेखनीय कार्य किया था, जिसके लिए उन्हें राष्ट्रपति पदक से भी सम्मानित किया गया था।

गोलीकांड की जांच रिपोर्ट से हिलाई थी कैप्टन सरकार: पंजाब की कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार में कुंवर विजय प्रताप सिंह धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी की घटनाओं के दौरान 2015 में कोटकपुरा और बहिबल कलां में हुए गोलीकांड की जांच के लिए गठित एसआईटी के चीफ थे। उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में इनकी एक रिपोर्ट दाखिल की थी, जिस से कैप्टन अमरिंदर सरकार हिल गई थी। कुंवर विजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

को हाईकोर्ट ने राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया था। रिपोर्ट के खारिज होने से जहां कैप्टन सरकार कांग्रेस के नेताओं से ही घिरी, वहीं कुंवर विजय प्रताप ने भी इसे अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना सेवानिवृति से करीब एक दशक पहले ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

केजरीवाल से प्रेरित होकर आये थे राजनीति में: आईपीएस की नौकरी से इस्तीफा देने वाले कुंवर विजय प्रताप सिंह साल 2021 में अमृतसर में दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय समन्वयक अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। अरविंद केजरीवाल से प्रेरित होकर अमृतसर नॉर्थ विधानसभा सीट से चुनावी दंगल में उतरे और जीत दर्ज की।

उन्होंने कांग्रेस के सीटिंग विधायक सुनील दत्ती को उन्होंने हराया था। लेकिन कुंवर विजय प्रताप सिंह की पार्टी से नाराजगी और दूरी 2022 विधानसभा चुनाव के तुरंत बाद ही नजर आने लगी थी। उन्होंने 2022 में 2 अफसरों के ट्रांसफर और पोस्टिंग पर सवाल उठाए थे। कुंवर विजय प्रताप बरगाड़ी गोलीकांड की जांच कर चुके हैं। वह आईजी रहते हुए केस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के प्रमुख थे। उन्होंने मान सरकार पर आरोप लगाया था कि वह दोषियों को सजा दिलाने में इच्छाशक्ति नहीं दिखा रही।

2024 में कुँवर ने सोशल मीडिया पर जालंधर से सांसद सुशील कुमार रिंकू और विधायक शीतल अंगुराल के भाजपा जॉइन करने के बाद पार्टी पर सवाल खड़े किए। इसके साथ ही उन्होंने सांसद राघव चड्ढा के विदेश में होने पर भी तंज कसा था। उन्होंने लिखा था कि लिखा था- क्या से क्या हो गया देखते-देखते। आखिर कहीं तो चूक हुई है। अपनों से दूरी, छल-कपट और गैरों को गले लगाना, यह कौन सा न्याय है

आपकी बातों पर विश्वास किया और राजनीति का शिकार हो गया: साल 2023 में बेअदबी के दोषियों पर कोई कार्रवाई न करने पर विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह ने फिर आप सरकार को कटघरे में खड़ा किया। सीएम भगवंत मान का पुराना वीडियो शेयर करते हुए वादे के बावजूद बेअदबी के दोषियों पर कोई कार्रवाई न करने पर उन्होंने लिखा था कि मैंने अप्रैल 2021 में आईपीएस पद से इस्तीफा दिया तो आपकी बातों पर विश्वास किया और राजनीति का शिकार हो गया। आज एसआईटी आपकी है, आज गृह मंत्री आप हैं। एसआईटी गवाहों को नकार रही है।

सिजेरियन आपरेशन में लापरवाही : डॉक्टर ने मांगी माफी, महिला के पेट में छोड़ दी थी रूई

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। जिला महिला अस्पताल में सिजेरियन प्रसव के दौरान पेट में रुई छोड़ने के मामले में संबंधित महिला चिकित्सक ने सीएमएस को दिए गए स्पष्टीकरण में माफी मांग ली है। चिकित्सक ने संबंधित मरीज एवं उसके स्वजन से भी लिखित में माफी मांग कर कहां है कि भविष्य में ऐसी गलती नहीं होगी। बता दें कि 29 अप्रैल को सिजेरियन प्रसव के दौरान डॉक्टर समोला ने पेट में रुई छोड़ दी थी। 24 जून को फिर से अस्पताल में भर्ती हुई चिपयाना निवासी प्रीति का ऑपरेशन करते हुए रुई निकाल दी गई।इसके बाद प्रीति की हालत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर सर्जिकल वार्ड में गिर पड़ी। वर्तमान में प्रीति की हालत नाजुक बनी हुई है।

बैंक प्रबंधक सहित 4 को जेल और 22 लाख का जुर्माना

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। जिले की विशेष सीबीआई कोर्ट ने सोमवार को एसएसआइ नोएडा की यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखा के तत्कालीन प्रबंधक मनोज श्रीवाश्तव सहित 4 लोगों को अलग-अलग कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई। इनमें फर्म के मालिक पर सबसे अधिक 14 लाख का जुर्माना और पांच वर्ष कारावास की सजा मिली। जबकि प्रबंधक को तीन वर्ष की कारावास और तीन लाख के जुर्माने की सजा मिली। सभी पर कुल 22 लाख का जुर्माना लगा। प्रबंधक ने जाली दश्तावेजों पर 40 लाख का सीसी ऋण और 10 लाख रुपये का सावधि ऋण दिया था। मई 2007 से जून 2009 तक शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यरत और पदस्थ रहते हुए मनोज श्रीवाश्तव ने अपने पद का दुरुपयोग किया। प्रबंधक ने मेसर्स गिरधारी लाल एंड संस के मालिक दीपक मल्होत्रा, राज कुमार सामंथा और राकेश कुमार के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र में शामिल होकर फर्जी और जाली दश्तावेजों के आधार पर 40 लाख रुपये का सीसी ऋण और 10 लाख रुपये का सावधि ऋण दिया। इससे बैंक को नुकसान हुआ। शिकायत मिलने पर सीबीआई ने मामले की जांच की थी। जांच में धोखाधड़ी होना पाया गया। सीबीआइ ने 14 दिसंबर 2010 को बैंक मैनेजर मनोज श्रीवाश्तव, दीपक मल्होत्रा, राजकुमार सामंथा और राकेश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। सीबीआइ ने 29 सितंबर 2012 को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। कोर्ट द्वारा 15 नवंबर 2018 को चारों के खिलाफ आरोप तय किए गए।

राज्यमंत्री के आवास के आसपास की सड़कों पर हुए गड्ढे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मानसूनी मौसम के आते ही शहर की सड़कों का हाल खश्ता हो गया है। इसके कारण दोपहिया वाहन सवारों को खासी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप के आवास के आसपास की सड़कों में अनगिनत गड्ढे हैं, जिनसे वह खुद रोज गुजरते हैं और उनसे मिलने के लिए आने वाले फरियादी भी हिचकौले खाते हुए पहुंचते हैं। सड़कों में गड्ढे होने के कारण वाहन चालकों को चलने में झटके लग रहे हैं। वहीं, अफसर से लेकर जनप्रतिनिधि तक इससे बेखबर हैं। शहर के कई इलाकों में मलबा डालकर सड़कों में हुए गड्ढों को भरा जा रहा है, ताकि वाहन सवारों को हादसे से बचाया जा सके। बात करते हैं संजय नगर सेक्टर 23 की, जहां उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप का निवास है। यहां उनसे काम को लेकर मिलने वाले लोगों की आवाजाही भी रहती है और खुद वह इन्हीं सड़कों से होकर अपने कार्यक्रम स्थलों तक पहुंचते हैं।

महिला के साथ मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। क्षेत्र के ग्राम माहू नंगली निवासी छोटे शाह पुत्र शौकीन शाह की विवाहित पुत्री रहनुमा पत्नी तसलीम निवासी ग्राम मिलक, थाना नजीबाबाद अपने मायके में आई थी। आरोप है कि एक पड़ोसी द्वारा उसके परिवार में एक महिला को फोन करने को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान रहनुमा उनसे फोन करने की बात को पूछने के लिए गई थी। इसी दौरान गाली-गलौच करते हुए उन्होंने रहनुमा को मारपीट कर घायल कर दिया। शोर मचाने पर आरोपी फरार हो गए। घायल को सीएचसी में भर्ती कराया। पुलिस से मामले की शिकायत की गई है।

राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौरा ✷। नगर में आयोजित सदस्यता अभियान में सैकड़ो लोगों ने राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण की। राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह आचार्य जी का भव्य स्वागत हुआ। इस अवसर पर पम्मी पूर्व चेयरमैन द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सभी बिरादरी के लोग शामिल रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे पूर्व विधायक चौधरी सुखबीर सिंह जी पूर्व जिला अध्यक्ष महावीर सिंह जी वरिष्ठ नेता ओम सिंह जी सुशील कुमार जी युवा प्रदेश महासचिव शिवम राणा। यह आयोजन क्षेत्र में राष्ट्रीय लोकदल की सक्रियता और जन समर्थन का प्रमाण है।

फाटक पर अंडर पास निर्माण कार्य अधर में लटकने से आमजन परेशान

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

रेलवे फाटक संख्या 470 पर अन्डर पास निर्माण कार्य अधर मे लटका रहने से अंडरपास के लिए हुई गहरी खुदाई और उसमें बरसात व नाले का पानी जमा होने से लोगों को तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही स्वीकृत की गई समय सीमा भी समाप्त हो गई है।

नेशनल हाईवे 74 स्थित कालाखेड़ी रेलवे फाटक संख्या 470 को हर समय बंदी को देखते हुए अंडरपास रेलवे विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों ने अन्डर पास निर्माण कार्य शुरू कराने को देखते हुए। 22 फरवरी 2025 की सुबह 10 बजे से रेलवे फाटक संख्या 470 को 30जून 2025 तक निर्माण कार्य पूरा होने तक के लिए बन्द करा दिया गया था।

अन्डरपास निर्माण कार्य का रेलवे ठेकेदार ने रेलवे अधिकारियों के साथ मिलकर उद्घाटन भी कर दिया था ।जेसीबी मशीनों से खुदाई का कार्य भी शुरू किया जा रहा था। लेकिन आज़ाद कालोनी लाइन पार के लोगों द्वारा अन्डरपास निर्माण के चौड़ीकरण की मांग को लेकर रेलवे विभाग के संबंधित अधिकारी को ज्ञापन दिया। जिससे खिन होकर रेलवे ठेकेदार ने अंडरपास की चल रही खुदाई के कार्य को बंद कर दिया और अपना सामान लेकर कार्य बीच में छोड़कर चला गया।

उसके बाद फिर सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों के साथ ठेकेदार का समझौता हुआ। बताया जाता है 30 जून को अंडरपास का निर्माण कार्य पूर्ण होना था। अन्डरपास के लिए रेलवे ठेकेदार ने जेसीबी मशीन लगाकर जमीन की खुदाई कराई। खुदाई काफी गहरी होने पर उसके बराबर पालिका के नाले पर खड़ा एक पुराना पेड़ गिरने से नाला टूट गया।

क्षेत्र से आ रहा नालीयों का गन्दा पानी अन्डरपास के गहरे गड्ढे में भर जाने से तालाब में तब्दील हो गया। तालाब में तब्दील होता देख आसपास के दुकानदारों को अपनी दुकानें गिरने का डर सताने लगा है। पिछले कई महिनो से अंडरपास का निर्माण आधार में लटका रहने से जहां आजाद कॉलोनी कलाखेड़ी के लोगों को नगीना आने जाने में तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं दूसरी और अंडरपास के आसपास रहने वाले लोगों को अपने मकान और दुकान गिरने और अंडरपास के गहरी हुई खुदाई में जमा बरसात का और गंदे नाले का पानी जमा रहने उसकी दुर्गंध से संक्रामक रोग फैलने का डर सता रहा है। जिसको लेकर पास पड़ोस के लोग डर के साय मे जीने को मजबूर हैं।

लेकिन रेलवे विभाग वे ठेकेदार अंडरपास निर्माण को लेकर लापरवाह बने हुए हैं। उनकी इस लापरवाही से कभी भी कोई बड़ा हादसा घटित हो सकता है। क्योंकि फरवरी से बन्द पड़े रेलवे फाटक से आजाद कालोनी लाइनपार व आधा दर्जन से अधिक गांवों के लोगों को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों का कहना है कि रेलवे विभाग के सैक्शन सीनियर इन्जिनियर कार्य उ0रे0 नजीबाबाद ने 30 जून 2025 तक निर्माण कार्य पूरा होने का एसडीएम नगीना को पत्र भेजा था।

आज़ाद कालोनी लाइन पार के निवासी भाजपा नेता सुनील कुमार सैनी, सचिन शर्मा, सुनील सैनी, पूर्व सभासद जोगेन्दर सिंह, धर्मेन्द्र सिंह आदि लोगो ने इस सम्बन्ध में भारतीय रेल मंत्री व जीएम रेलवे दिल्ली की ओर ध्यान दिलाकर रेलवे ठेकेदार को निर्देश जारी कर रेलवे फाटक संख्या 470 के अन्डरपास निर्माण कार्य को पूरा कराने कि मांग की है।

बंबा टूटा, कोटद्वार-नजीबाबाद हाईवे पर जाम, यात्री फंसे

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

कोटद्वार-नजीबाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब जाफराबाद से करीब दो किलोमीटर आगे सुकरो नदी के पास पुलिया का बंबा अचानक टूट गया।

इससे हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई किलोमीटर लंबा भीषण जाम लग गया। जाम में फंसे यात्री और स्कूली बच्चे घंटों तक गर्मी और धूप में बेहाल रहे।

पुलिया का बंबा टूटते ही मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया, जिससे कोटद्वार, नजीबाबाद और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग ठप हो गया।

सूचना पर कोतवाली पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने में जुट गए। प्रशासन ने तत्काल जेसीबी मशीन मंगवाकर टूटे हुए हिस्से पर मिट्टी भरवाकर अस्थायी मरम्मत कराई। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद राश्ता सुचारु किया गया, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह पुलिया लंबे समय से खराब हालत में थी, जिसकी ओर संबंधित विभागों ने कई बार ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन मरम्मत नहीं कराई गई।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। प्रशासन ने दिया स्थायी मरम्मत का आश्वासन मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लेते हुए शीघ्र ही पुलिया की स्थायी मरम्मत कराने का आश्वासन दिया है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

मासूम के साथ दरिन्दे ने किया दुष्कर्म रिपोर्ट दर्ज आरोपी की तलाश जारी

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

चांदपुर में नाबालिक 6 साल के बच्चे के साथ किया 18 साल के युवक ने कुकर्म, थाने में रिपोर्ट हुई दर्ज।

दरअसल पूरा मामला थाना चांदपुर क्षेत्र का है जहां पर आज सोमवार की सुबह करीब 11:30 बजे थाने पर आए परिजनों ने थाने में बच्चे के कुकर्म करने की तहरीर देकर बताया कि यह घटना शनिवार शाम की है। बताया कि हमारा बेटा शाम के समय बाहर खेल रहा था। तभी अचानक अरशद नाम का युवक हमारे बेटे को पहले बहला कर चीज के बहाने मदरसे के तहखाने में लेकर चला गया।

जहाँ दरिंदे ने उसके साथ गलत काम किया। बता दे की बच्चों की मां को रविवार की शाम पता चला कि जब बच्चा सोच के लिए शौचालय में गया। तभी देखा कि बच्चे की शोच में ब्लड आ रहा है। तभी बच्चों के परिजनों में हलचल सी मच गई। बच्चे से जानकारी लेने पर पता चला कि बच्चे को अरशद नाम का युवक पास के बने तेखाने में ले गया था। वहीं पर युवक ने बच्चे चीज देने के बहाने कुकर्म किया हैं।

तभी परिजनों में हलचल सी मच गई और बच्चे को साथ ले जाकर थाने पर रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि करीब 2:30 बजे थाना चांदपुर पर तहरीर दी गई है। जिसकी जांच कर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दिया है। युवक की तलाश जारी है।

पहाड़ों की बारिश से मालन नदी का जलस्तर बढा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नजीबाबाद में भी मालन नदी में आया पानी जिससे आसपास के खेतों में जल जमा होने से फसलों को भारी नुकसान हुआ। नजीबाबाद से बहकर निकलने वाली मालन नदी का जलश्तर दोपहर करीब 1:30 बजे बढ़ गया।

पानी का जलश्तर इतना बढ़ गया कि आसपास के खेतों में भर गया। जिससे वहा होने वाली फसलों का नुकसान हुआ। वही मालन नदी में आए पानी को देखने के लिए लोगों की भीड़ पुल पर लगना शुरू हो गई है। बता दे कि जनपद बिजनौर के साथ-साथ पहाड़ों पर भी लगातार बारिश हो रही है। यही कारण है कि आज मालन नदी का जलश्तर बढता जा रहा है।

मेरठ के पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय की विशेष टीम ने क्षेत्र के कई गांव में लगाया शिविर

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

पशुपालन को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उन्नत बनाने और किसानों की आजीविका को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय की विशेषज्ञ टीम ने ग्राम नन्हू शेरपुर, विकास खंड नहटौर में विशेष पशु बाँझपन एवं पोषण चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

यह शिविर इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के वित्तीय सहयोग एवं पशुपालन विभाग, बिजनौर के समन्वय से आयोजित किया गया। शिविर का मार्गदर्शन कुलपति डॉ. के. के. सिंह द्वारा किया गया,

जबकि उद्घाटन मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. लोकेश अग्रवाल ने किया। डॉ. अग्रवाल ने उपस्थित पशुपालकों को मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पशुधन बीमा, मिनी गौ-संवर्धन योजना, बकरी एवं सूकर पालन योजना जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

शिविर का नेतृत्व कर रहे मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अमित वर्मा ने बताया कि पशुओं में बाँझपन एक प्रमुख समस्या है, जो खनिज तत्वों की कमी, अनुचित प्रबंधन एवं जननांग संक्रमण के कारण होती है।

उन्होंने पशुपालकों को सुझाव दिया कि वे अपने पशुओं के दैनिक आहार में 30–50 ग्राम खनिज मिश्रण अवश्य शामिल करें तथा तीन माह में एक बार कीड़ों की दवा अवश्य दें, जिससे आंतरिक परजीवी संक्रमण से बचाव हो सके। शिविर में डॉ. अमित वर्मा, डॉ. प्रेम सागर मौर्या, डॉ. विकास सचान, डॉ. अजीत कुमार सिंह, डॉ. विनोद कुमार वरुण, डॉ. अनुराग चौधरी, डॉ. आयुष पाल और डा स्वाति की विशेषज्ञ टीम ने गाँव के 150 से अधिक पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। पशुओं में बाँझपन, गर्भाशय संक्रमण, पोषण की कमी, थनैला तथा परजीवी रोगों की पहचान कर निःशुल्क औषधियाँ, खनिज मिश्रण और परामर्श वितरित किए गए। शिविर के सफल आयोजन में पशु चिकित्साधिकारी नहटौर डॉ. अनुराग चौधरी का विशेष योगदान रहा।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध शराब जब्त, दुकान सील

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

आबकारी विभाग ने नगर में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सैल्समैन सहित बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है। विभाग की टीम ने छापेमारी कर अवैध शराब से भरे ड्रम और अंग्रेजी शराब की पेटियों को कब्जे में ले लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग की टीम ने काफी समय से झालू अंग्रेजी शराब की दुकान पर नक़ली शराब बेचने की गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। जिसमें दो सैल्समैन बबलू वह उसका साथी को हिरासत में ले लिया है। तथा अंग्रेजी शराब की दुकान को सील कर दिया है।

सेलमान की निशान देही पर बड़ी मात्रा में अवैध शराब का जखीरा पकड कर जब्त किया गया है, जिसमें ड्रम और अंग्रेजी शराब की पेटियां शामिल हैं।

आबकारी विभाग की इस कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसने के प्रयासों को बल मिला है। विभाग की टीम आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रखेगी, जिससे अवैध शराब के कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। आबकारी विभाग ने जब्त शराब और गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आबकारी विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। इससे लोगों को अवैध शराब के सेवन से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकेगा।

ठेकेदार की लापरवाही से बारात घर की दीवार गिरी हादसा टला

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर नहटौर रोड पर पानी की टंकी के पास बारात घर जो पूर्व में नगर पंचायत कार्यालय था। उसके पास में ही खोद जा रहे नाले पर बारिश होने से पानी भर गया। जिससे बारात घर की दीवार भर भरा कर गिर गई कोई बडा हादसा होने से बच गया। जिससे नगर पंचायत का काफी नुकसान हुआ।

नहटौर रोड पर स्थित बारात घर के बाहर नाले की खुदाई ठेकेदार द्वारा कराई जा रही थी।

तभी बारिश होने लगी लगातार बारिश का पानी दीवार में मरने लगा, जिससे दीवार गिर गई।

दीवार लगभग 16 मीटर बताई जा रही है। इसकी पुष्टि नगर पंचायत वरिष्ठ लिपिक ने की है। साथ ही उन्होंने बताया कि उपरोक्त नुकसान की भरपाई ठेकेदार द्वारा कराई जाएगी।

इस तरह के मामलों में जिम्मेदार एजेंसियों को अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

भाजपा नगर मंडल ने वृक्ष रोपड़ कर पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को याद किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना मंडल के सभी बूथों पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात के 123 वे संशकरण को सुनने के बाद पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को याद किया गया व उनके चित्र पर पुष्पांजलि दी गई।

इसके बाद सभी बूथों पर वृक्षारोपण का व्रत कार्यक्रम चलाया गया। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आवाहन पर नगीना नगर मंडल के सभी बूथों पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान को एक पेड़ मां के नाम का नाम दिया गया। इस अभियान के तहत प्रत्येक बूथ पर 10 पेड़ लगाए गए।

हर बूथ पर 10 लोगों ने 10 पेड़ अलग-अलग लगाएं तथा पेड़ों के बड़े होने तक उनकी देखभाल का संकल्प लिया। भाजपा के क्षेत्र मंत्री अनूप बाल्मीकि, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान,मंडल अध्यक्ष अंजलि मित्तल,पूर्व जिला उपाध्यक्ष अजीत अग्रवाल, कृष्ण बलदेव सिंह,पूर्व विधायक सतीश गौतम, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री कयूम राइन, पूर्व नगर अध्यक्ष नीरज बिश्नोई, शिव शंकर सक्सेना, सौरभ मित्तल, नगर महामंत्री सचिन शर्मा, ओम प्रकाश सैनी, मंडल उपाध्यक्ष सोहन सैनी,अरुण शर्मा, पंकज चौहान, गर्वित चौधरी, अनुज वर्मा,लवी मित्तल, नगर मंत्री दिनेश चौधरी,अमीचंद रवि,अतुल भारती, जितेंद्र राठी, सरदार हरमीत सिंह, इंदु ठकुराल, सरिता विश्नोई, सभासद गोपाल शर्मा, ब्रजमोहन विश्नोई, रोहित विश्नोई, संजय शर्मा, मोहित गर्ग, सलीम सैफी, सुनिल सैनी,प्रहलाद कुशवाह, डॉ भूपेश आदि ने एक पेड़ माँ के नाम लगाया।

लोक जनशक्ति पार्टी की समीक्षा बैठक आयोजित

कार्यकारिणी के सदस्यों को दिए गए मनोनयन पत्र

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की बिजनौर कार्यकारिणी की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारी को मनोनयन पत्र सौंप गए तथा पार्टी की नीति और आगामी कार्यक्रम पर चर्चा की गई।

पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मुरादाबाद मंडल प्रभारी कामरान उद्दीन सिद्दीकी अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बैराज कॉलोनी स्थित सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस में एक समीक्षा बैठक करने के लिए पहुंचे। बिजनौर में प्रथम बार आगमन पर जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह के नेतृत्व में कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण एवं सदस्यों ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह एवं संचालन जिला प्रधान महासचिव यादराम सिंह वह जिला परिवर्तन वीरेंद्र प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि स्व रामविलास पासवान जी ने सदैव ही दलित और वंचितों के हक की लड़ाई लड़ी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा चिराग पासवान जी उनके किए हुए कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से इस मुहिम में साथ देने और चिराग पासवान जी के हाथ मजबूत करने का आह्वान किया।

जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का आभार जताया और उनसे पार्टी की विचारधारा पर चलते हुए जनहित में कार्य करने का आह्वान किया।

जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि यादराम सिंह को जिला प्रधान महासचिव, हरिराज सिंह को जिला महासचिव, जोगिंदर सिंह को जिला उपाध्यक्ष, अर्जुन सिंह को जिला सचिव, दिनेश कुमार को जिला सचिव, जुल्फुकार को ब्लॉक अध्यक्ष नूरपुर, दीपक कुमार को ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मदपुर देवमल, हरिश्चंद्र गुप्ता को नगर महासचिव के मनोनयन पत्र सौंप गए। बैठक में पार्टी की बिजनौर कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी तथा सदस्य उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

पत्र सं. 128-W-269-O.E.T.-04-NRCH-2025-26 दिनांक : 30.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निदेशक/एडमिन, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए e–निविदाएं आमन्त्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि	निविदा खुलने की तिथि
1	30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए केंद्रीय अस्पताल का वार्षिक जोन कार्य।	रु. 11999997.97	रु. 210000/-	12 माह	25.07.2025

सुचना: निविदा रेलवे की वैबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा इसी वैबसाइट पर 25.07.2025 15:00 बजे तक ही भरी जाएगी।

1970/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

संतो-कथावाचकों को जातियों में बांटने की शर्मनाक कौशिश!

देश मे इन दिनों संतो व कथावाचकों को जातियों में बांटकर उनके विरुद्ध अमर्यादित व्यवहार करने का शर्मनाक प्रयास किया जा रहा है। यादव जाति से आने वाले मुकुट मणि यादव और संत सिंह यादव ने अपने ब्राह्मण यजमान पर जाति के आधार पर मारपीट कर अपमानित करने का आरोप लगाया है। इसके बाद से देश में यह बहस तेज हो गई है कि कथा वाचन करने का अधिकार किस जाति का है।

काशी विद्वत परिषद का कहना है कि भागवत कथा करने का अधिकार सभी हिंदुओं को है, वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का कहना किसी भी जाति का व्यक्ति अपनी जाति के लोगों को भगवत कथा सुना सकता है, लेकिन सभी जातियों को भगवत कथा सुनाने का अधिकार केवल ब्राह्मणों के पास है। देश में इस समय हजारों की संख्या में कथावाचक कथा सुनाने का काम कर रहे हैं। अनिरुद्धाचार्य जिनका असली नाम अनिरुद्ध राम तिवारी है, ब्राह्मण जाति से है।

देवकीनंदन ठाकुर उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के रहने वाले हैं, उनका जन्म भी एक ब्राह्मण परिवार में हुआ। मध्य प्रदेश के छतरपुर में पैदा हुए धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बागेश्वर धाम सरकार के नाम से मशहूर हैं, उनका जन्म भी एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। संत रामपाल हरियाणा के सोनीपत जिले के धनाना गांव के एक किसान परिवार में पैदा हुए संत रामपाल जाट जाति से हैं। भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ सूरजपाल का असली नाम सूरज पाल है, ये एक दलित परिवार से है।

बाबा रामदेव का असली नाम रामकिशन यादव है, जो जाति से यादव है। मोरारी बापू युवावस्था से ही राम कथा कह रहे हैं, वे अब तक आठ सौ से अधिक जगह राम कथा कह चुके हैं, मोरारी बापू अन्य पिछड़ा वर्ग से आते हैं। जया किशोरी का जन्म राजस्थान के सुजानगढ़ के ब्राह्मण परिवार में हुआ था, वे धार्मिक कथाओ के लिए प्रसिद्ध हैं।

वही हरिद्वार के चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार कौशल सिखौला का कहना है कि शास्त्रों के अनुसार पण्डिताई, पुरोहिताई और ज्योतिष का अधिकार तो सचमुच ब्राह्मणों का है पंडितों का है। मंदिरों में पुजारी भी पंडित होंगे , सोलह संस्कार कराने और ज्योतिष बचाने वाले भी पंडित होंगे। सप्तऋषियों सहित जितने भी प्रारम्भिक ऋषि हुए वे सभी ब्राह्मण थे।

सत्यनारायण की कथा सुनाने से लेकर श्रीमद्भागवत करने, राम कथा बाँचने, यज्ञ अनुष्ठान कराने, सोलह संस्कार और गृह प्रवेश कराने का अधिकार भी ब्राह्मणों का है। तीर्थों पर संस्कार और समश्त कर्मकांड कराने के शास्त्र सम्मत अधिकारी पण्डे पुरोहित हैं। दान लेने के अधिकारी भी ब्राह्मण हैं। उनके शब्दो में, न होते तो रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापना के लिए भगवान राम रावण जैसे प्रतापी ब्राह्मण को लंका से न बुलाते। वे स्वयं क्षत्रिय वंश में जन्में थे।

यादवकुल में जन्में भगवान कृष्ण शास्त्रों एवं विद्याओं का अध्ययन करने ब्राह्मण ऋषि संदीपनी के आश्रम न जाते। जितने भी राज्य भारत में थे उन सभी में क्षत्रिय राजा ब्राह्मण वर्ग से राज पुरोहित का अनिवार्य आसन राजा के समकक्ष ऊंचाई पर स्थापित न करते। कारण वही कि सामाजिक संदर्भों में ब्राह्मणों को पूज्य का दर्जा प्राप्त था।

ब्राह्मण पूज्य न रहा होता तो दरबार में रानियों और मंत्रियों के साथ बैठे राजा कृष्ण नंगे पांव दौड़े दौड़े बाहरी द्वार पर न आते, आंसुओं के जल से गरीब ब्राह्मण सुदामा के पांव न धोते। ब्राह्मण पूज्य था तभी तो पांडव एवं कौरव राजकुमारों को शिक्षा के लिए द्रोणाचार्य और कृपाचार्य जैसे ब्राह्मणों के पास जाना पड़ा।

भाइयों सहित चारों दशरथनंदन वशिष्ठ और विश्वामित्र के आश्रम न जाते। ब्राह्मण मेधा का धनी था तभी तो भारत पर आक्रमण से पूर्व सिकंदर ने भारत की शक्ति का पता लगाने के लिए अपने दूत को चाणक्य के आश्रम में विद्यार्थी बनाकर भेजा था। कथा है कि सुकरात ने भी भारत की ब्रह्मशक्ति के प्रति जिज्ञासा प्रकट की थी। कौशल सिख़ौला की माने तो भारतवर्ष में ब्राह्मण का महत्व अनादिकाल से है।

हम इटावा में ही अप्रिय और निंदनीय घटना के बारे में जरा भी बात नहीं करना चाहते। जो हुआ वह बहुत बुरा था, कानूनन कार्रवाई चल रही है। वाश्तुतः देश के इतिहास को समझने का समय आ गया है। हमारी संस्कृति में ज्ञान की महिमा थी। न होती तो महर्षि वेदव्यास को महान ऋषि न माना गया होता। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य भारतवर्ष में समन्वय स्थापना के लिए समरसता के सिद्धांतों का प्रतिपादन किया।

जिस मनुस्मृति ने वर्णाश्रम व्यवस्था दी, उसने कार्य निष्पादन के नियम भी दिए। इन्हीं नियमों से भारत देश युगों से चला आ रहा है। इस व्यवस्था में दासीपुत्र विदुर हश्तिनापुर जैसे विशाल राज्य के मंत्री बनते हैं और गैर क्षत्रिय चंद्रगुप्त राजा बनता है। महर्षि वेदव्यास समश्त वेदों, उपनिषदों, पुराणों और अनेक महाग्रंथों का लेखन करते हैं। क्या क्या गिनाएं, महीनों बीत जाएंगे, पूरा नहीं होगा।

उनकी राय में जाति वर्ण व्यवस्था तो वनस्पति में भी है और जंतुओं में भी। अब देखिए न एक पेड़ दयार का है, एक चिनार का, एक चंदन का, एक खैर का और एक शीशम का। सभी वृक्ष हैं पर फर्क है ना कुछ? एक पेड़ नीम का है, एक बबूल का और एक कीकर का। जीवन दायिनी पौधे तथा जड़ी बूटियां भी हैं और नर भक्षी पौधे भी? कुछ तो बात होगी जो जंगल का राजा शेर ही बनेगा, उससे 100 गुना वजन वाला हाथी नहीं? खैर यह वाद विवाद तो चलता रहेगा लेकिन किसी भी संत या कथावाचक अथवा पुजारी को उसकी जाति के आधार पर अपमानित करना किसी भी दृष्टि से उचित नही है। कम से कम संतो, महात्माओ, पुजारियों व कथावाचकों को उनकी जन्म जाति से मत जोड़िए, यदि जोड़ना ही है तो उनके गुणों को आधार बनाइए।

नया बहुआयामी शक्तिशाली देश बने भारत

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर के तहत भारत-पाक संघर्ष के परिणामों का विश्लेषण बताता है कि युद्ध में नई एआई तकनीक और आर्थिक ताकत की अहमियत दिखाई दी है और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हुई है।

लेकिन अब पाकिश्तान के द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जाने के मद्देनजर भारत के लिए उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनना भी जरूरी है।

चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है और शक्ति से भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतएव भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाने के सपने को साकार करने के लिए देश के आसमान छूते वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और और पूरे देश का जनबल एकजुटता से कदम आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहा है।

गौरतलब है कि हाल ही में 24 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने आर्थिक और सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया था।

वश्तुतः आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिश्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की है। ऐसे में भारत दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिश्तान और चीन की सैन्य चुनौतियों से मुकाबले के लिए एआई तकनीकों और उन्नत परमाणु हथियारों के शक्ति संपन्न देश बनने की संभावनाओं को साकार कर सकता है। निःसंदेह भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बना सकती है।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले दिनों दुनिया को हिलाने वाले इजराइल और ईरान के बीच भारत अपने बहुआयामी आर्थिक आधारों से युद्ध की आर्थिक चुनौतियों के बीच सक्षम बनकर मजबूती के साथ खड़ा रहा है। जहां इस युद्ध से दुनिया के कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, व्यापार में कमी, खाद्यान्न सहित जरूरी वश्तुओं की आपूर्ति में कमी और शेयर बाजार में गिरावट का परिदृश्य उभरकर दिखाई दिया, वहीं भारत इन सब मुश्किलों के मद्देनजर बेहतर स्थिति में बना रहा है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिश्तान के साथ संघर्ष का भी भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं गिरा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, निर्यात पर कम निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति, मेक इन इंडिया और कृषि क्षेत्र में ऊंची सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों को झेलने की मजबूत स्थिति में रखा है। युद्ध के दौर में भी भारत के निर्यात बढ़े हैं और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हुई है।

इतना ही नहीं, इजराइल-ईरान युद्ध से जहां दुनिया में महंगाई बढ़ी, वहीं भारत में महंगाई घटी रही। भारत की खुदरा महंगाई दर महज 2.82 प्रतिशत है और थोक महंगाई दर महज 0.39 फीसदी ही है। यह पिछले 14 महीनों का सबसे निचला श्तर है। जहां युद्ध की चुनौती के बीच दुनिया के कई देशों में खाद्यान्न की कमी से खाद्यान्न के मूल्य बढ़ गए, वहीं भारत खाद्यान्न के मोर्चे पर अत्यधिक मजबूत है। देश के खाद्यान्न भंडार में एक साल से भी अधिक की जरूरत आपूर्ति के गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार है।

इतना ही नहीं हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा जारी फसल वर्ष 2024-25 के लिए कृषि उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन लगभग 6.5 फीसदी बढक़र 35.39 करोड़ टन के रिकॉर्ड श्तर पर पहुंचने का अनुमान है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि युद्ध के बीच भी

भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना रहा। भारत के निर्यात आदेश भी बढ़े। इस समय भारत के पास 699 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है। भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की विश्व आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2025 में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए दिखाई देगा।

ऐसे में अब भारत को दुनिया की नई आर्थिक शक्ति बनाने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। चीन से आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा नियंत्रित किया जाना होगा। चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढक़र 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था।

सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) तेज विकास व रोजगार के लिए एक कारगर हथियार बन सकते हैं। एमएसएमई निर्यात बढ़ाते हुए आयात नियंत्रित करके आर्थिक चिंता कम कर सकते हैं। देश से सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान, मेक इन इंडिया, जीएसटी और लॉजिस्टिक सुधार के साथ-साथ आर्थिक और वित्तीय सुधार भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ा सकते हैं।

इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगे लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है।

अब भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति के तहत नए मुक्त व्यापार समझौतों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों से व्यापार घाटे में कमी लाई जानी होगी। भारत के द्वारा ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ-साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढऩा होगा।

भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा। निश्चित रूप से इजराइल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर का यह भी सबक है कि युद्ध सिर्फ आर्थिक ताकत और अत्याधुनिक एआई तकनीक के दम पर ही लड़े जाते हैं तथा परमाणु हमले की धमकी से युद्ध नहीं जीते जाते हैं। किन्तु इस समय पाकिश्तान और चीन की युद्ध चुनौतियों के मद्देनजर भारत के द्वारा परमाणु हथियारों को उन्नत किया जाना भी जरूरी है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक परमाणु हथियारों की संख्या में कमी का युग खत्म हो रहा है।

अब परमाणु हथियारों में वृद्धि और हथियार नियंत्रण समझौतों को छोडऩे की प्रवृत्ति दिख रही है। परमाणु हथियारों की बढ़ती संख्या, नए हथियारों का विकास और हथियार नियंत्रण की कमी एक नई हथियार दौड़ को जन्म दे रही है। दुनिया के नौ परमाणु शक्ति संपन्न देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल सभी अपने परमाणु हथियारों को और उन्नत करने में जुटे हैं। अमेरिका और रूस के पास दुनिया के करीब 90 प्रतिशत परमाणु हथियार हैं। चीन के पास करीब 600 परमाणु हथियार हैं।

भारत के पास 180 और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान भारत के आपरेशन सिंदूर से बुरी तरह पराजित होकर चीन की मदद से अपने परमाणु हथियारों को उन्नत करने की कोशिश में जुट गया है, ऐसे में दो शत्रु देश चीन और पाकिस्तान के साथ होने से भारत के लिए एआई, साइबर तकनीक और मिसाइल रक्षा जैसी नई तकनीकों से उन्नत परमाणु शक्ति बनना जरूरी है।

उम्मीद करें कि सरकार इजराइल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर से भारत के लिए जो उम्मीदों भरे आर्थिक-सामरिक सबक निकले हैं, उनके मद्देनजर भारत को आर्थिक शक्ति, एआई की नई तकनीकों और उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। तभी भारत विकसित देशों की श्रेणी में आ पाएगा।

राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस 01 जुलाई : रोगी के लिये स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर्स

ललित गर्ग

स्वस्थ जीवन हर किसी की सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, 'सेहत सबसे बड़ी पूंजी' है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है।

शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है।

वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर्स डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिये मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरुआत की गई थी।

यह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं।

2025 की थीम है 'मास्क के पीछेः देखभाल करने वालों की देखभाल' उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं।

इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टर्स द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आशा नहीं खोता-वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो।

वाश्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है।

डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है।

इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है।

डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचे।

इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्ज्वलित किये हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता।

हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजिशिनय या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है।

कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिये आपको ओन्कोनोजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट, यूटीआई, पीरयड्स, की समस्या हो रही है तो गायनोकोलॉजिस्ट की मदद लें। दिमागी बीमारी के लिये न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाने की सलाह दी जाती है। कई बार सही डॉक्टर से समय पर इलाज न मिलने की वजह से भी बीमारी और बढ़ जाती है।

शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं मानवीयता जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने एवं उनको स्वस्थ बनाने के लिए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवाएं वरदान है। डॉक्टर्स भगवान का रूप होते है, वे ही इंसान के जन्म के पहले साक्षी बनते हैं और उनमें करुणा एवं स्वस्थता का बीज बोते है।

एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ हंसते हुए दे देते हैं, चाहे उनका अपना पारिवारिक सुख हो, करियर हो, जीवन की खुशियां हो या सपने हों, सबकुछ झोंक देते है। डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे।

कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है। वे आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करते हैं और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाते हैं।

डॉक्टर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे वे अपनी बीमारियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनका प्रबंधन कर सकते हैं। डॉक्टर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सहायता और उपचार प्रदान करते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य अभियानों और कार्यक्रमों में भाग लेकर समुदायों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉक्टर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं और समाज के समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये डॉक्टर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं।

इसलिए कि वे सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ्य होने और उनकी जान की फिक्र करते हैं, ऐसी मानवीय सेवाएं देने वाले इन डॉक्टर्स रूपी अद्भूत फरिश्तों के सम्मान, कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही डॉक्टर्स की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी।

भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है

प्रहलाद सबनानी

कुछ दिनों पूर्व भारत में दो विशेष घटनाएं हुईं, परंतु देश के मीडिया में उनका पर्याप्त वर्णन होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा।

यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अतः कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है।

जैसा कि दावा किया जा रहा है, यदि यह दावा सच्चाई के धरातल पर खरा उतरता है तो आगे आने वाले समय में भारत का विश्व में पुनः "सोने की चिड़िया" बनना लगभग तय है। भारत आज पूरे विश्व में कच्चे तेल का चीन एवं अमेरिका के बाद सबसे बड़ा आयातक देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। कच्चे तेल का उत्पादन यदि भारत में ही होने लगता है तो न केवल इसके आयात पर होने वाले भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के खर्च को बचाया जा सकेगा बल्कि पेट्रोल एवं डीजल के निर्यात से विदेशी मुद्रा का भारी मात्रा में अर्जन भी किया जा सकेगा। जिसके कारण, भारत में विदेशी मुद्रा के भंडार में अतुलनीय बचत एवं संचय होता हुआ दिखाई देगा और इस प्रकार भारत विश्व में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा संचयक देश बन सकता है।

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10, 000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है।

भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं गैस के भंडार पाए गए है।

इस भंडार के बाद गुयाना कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है जबकि अभी ग़ुयाना का विश्व में 17वां स्थान है।

वर्ष 1947 में प्राप्त हुई राजनैतिक स्वतंत्रता के बाद के लगभग 70 वर्षों तक भारत की समुद्री सीमा की क्षमता का उपयोग करने का गम्भीर प्रयास किया ही नहीं गया था। हाल ही में भारत सरकार द्वारा इस संदर्भ में किए गए प्रयास सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के भारी मात्रा में जो भंडार मिले हैं उनका अन्वेषण का कार्य समाप्त हो चुका है एवं अब ड्रिलिंग का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है।

ड्रिलिंग का कार्य समाप्त होने के बाद कच्चे तेल एवं गैस के भंडारण का सही आंकलन पूर्ण कर लिया जाएगा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में आधारभूत संरचना का विकास भी बहुत तेज गति से किया जा रहा है। इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र के समुद्रीय इलाकों से भी भारी मात्रा में कच्चा तेल निकाला जा रहा है तथा भारत का अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह भी इंडोनेशिया से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके कारण यह आंकलन किया जा रहा है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्रीय क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के अपार भंडार मौजूद हो सकते है। हर्ष का विषय यह भी है कि इस क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के साथ साथ अन्य दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल/मेटल) के भारी मात्रा में मिलने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है।

भारी मात्रा में मिलने जा रहे कच्चे तेल के चलते भारत अपनी परिष्करण क्षमता को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। चूंकि चीन ने कुछ दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों का भारत को निर्यात करना बंद कर दिया है अतः भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में इन पदार्थों का मिलना भारत के लिए बहुत बड़ी खुशखबर है। पूर्व में भी भारत में कच्चे तेल एवं गैस के भंडार का पता चला था, जैसे बॉम्बे हाई, काकीनाड़ा, बलिया एवं समश्तिपुर, आदि।

इन समश्त स्थानों पर कच्चे तेल को निकालने के संबंच में आवश्यक कार्य प्रारम्भ हो चुका है। दरअसल, इस कार्य में पूंजीगत खर्च बहुत अधिक मात्रा में होता है। जापान, रूस एवं अमेरिका से तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए इन देशों की बड़ी कम्पनियों के साथ करार करने के प्रयास भी भारत सरकार द्वारा किए जा रहे हैं।

भारत का समुद्रीय क्षेत्र 5 लाख किलोमीटर का है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के समुद्रीय इलाके में भी खोज जारी है एवं इस क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के भंडार मिलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अंडमान एवं निकोबार क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात आगामी लगभग 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल के आयात की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

द्वितीय शुभ समाचार यह प्राप्त हुआ है कि भारत के कर्नाटक राज्य में कोलार क्षेत्र में स्थित अपनी सोने की खदानों में भारत एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के सम्बंध में विचार कर रहा है। कोलार गोल्ड फील्ड (KGF) को वर्ष 2001 में खनन की दृष्टि से बंद कर दिया गया था।

परंतु, अब 25 वर्ष पश्चात स्वर्ण की इन खदानों में खनन की प्रक्रिया को पुनः प्रारम्भ किए जाने के प्रयास किए जा रहे है। इस संदर्भ में कर्नाटक सरकार ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है।

आज पूरे विश्व में सोने की कीमतें आसमान छूते हुए दिखाई दे रही है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर इन देशों का विश्वास कुछ कम होता जा रहा है।

बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर के बाद एक बार पुनः स्वर्ण मुद्राएं ही अंतरराष्ट्रीय श्तर पर होने वाले व्यापार के भुगतान का माध्यम बनें। ऐसे समय में भारत के कोलार क्षेत्र में स्थित स्वर्ण की खदानों में एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करना एक अति महत्वपूर्ण निर्णय कहा जा सकता है। कोलार स्थित स्वर्ण की इन खदानों में 750 किलोग्राम स्वर्ण की प्राप्ति की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। प्राचीन काल में कोलार गोल्ड फील्ड को गोल्डन सिटी आफ इंडिया कहा जाता था।

प्राचीन काल में में भारत को "सोने की चिड़िया" कहा जाता था। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास 25, 000 से 26, 000 टन स्वर्ण का भंडार है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत की महिलाओं के पास स्वर्ण का जितना भंडार है लगभग उतना ही भंडार पूरे विश्व में अन्य देशों के पास है।

अर्थात, पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण का आधा भाग भारतीय महिलाओं के पास आज भी उपलब्ध है। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में स्थापित अपनी सत्ता के खंडकाल के दौरान लगभग 900 टन स्वर्ण, कोलार की खदानों से निकालकर, ब्रिटेन लेकर जाया गया था। भारत की केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, के पास आज 880 टन स्वर्ण के भंडार हैं, जो कि भारत के 69, 700 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा है।

हाल ही के समय में विदेशी निवेशकों का भारत पर विश्वास बढ़ा है अतः भारत का स्वर्णिम काल पुनः प्रारम्भ हो रहा है। विश्व के विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास आज 36, 000 टन स्वर्ण का भंडार हैं, जबकि इनमे से कई देशों के केंद्रीय बैंक अभी भी स्वर्ण की खरीदी करते जा रहे हैं। स्वर्ण भंडार की दृष्टि से भारत का आज विश्व में 8वां स्थान है।

चीन एवं रूस स्वर्ण के सबसे बड़े उत्पादक देश हैं फिर भी ये दोनों देश स्वर्ण का आयात भी जारी रखे हुए हैं। लगातार, पिछले 3 वर्षों से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक लगभग 1, 000 टन स्वर्ण की खरीद प्रतिवर्ष कर रहे हैं।

स्वर्ण की खरीदी का यह कार्य रुकने वाला नहीं है आगे भी ऐसे ही चलता रहेगा। अतः भारत सरकार द्वारा भी कोलार गोल्ड फील्ड में स्वर्ण के खनन का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। स्वर्ण के भंडार बढ़ने के साथ भारत, रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण कर सकता है। साथ ही, स्वर्ण के भंडार बढ़ने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत भी बढ़ती जाएगी।

कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि ईश्वरीय कृपा से एवं उक्त कारणों के चलते भारत को विश्व में एक बार पुनः "सोने की चिड़िया" बनाया जा सकता है।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

चारबाग आउटर स्टेशन पर वंदे भारत पर हुआ पथराव, शीशा टूटने से सहम गए यात्री

लखनऊ , एजेंसी। वंदे भारत एक्सप्रेस पर शरारती तत्वों ने फिर पथराव कर दिया। आनंदविहार जा रही वंदे भारत पर लखनऊ आउटर पर पथराव किया गया, जिससे चेयरकार बोगी के यात्री सहम गए। यह हाल तब है, जब वंदे भारत एक्सप्रेस की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से होती है। आरपीएफ इन कैमरों की मदद से कई पत्थरबाजों को गिरफ्तार भी कर चुकी है। आए दिन प्रयागराज और मेरठ में इस ट्रेन पर पत्थरबाजी के मामले सामने आ रहे हैं। अब लखनऊ में भी ऐसी घटना सामने आई है। गाड़ी संख्या 22425 अयोध्या-आनंदविहार वंदे भारत

एक्सप्रेस शनिवार शाम को चारबाग से रवाना हुई। ट्रेन आलमबाग पश्चिम केबिन के पास पहुंची ही थी कि बोगी सी-11 की सीट संख्या 30, 31 और 32 के सामने वाली खिड़की पर पत्थर चला दिया गया। इससे चेयरकार बोगी सी-11 का शीशा टूट गया। यात्री निर्मेष ने इसकी शिकायत आरपीएफ कंट्रोल रूम में दर्ज कराई। आरपीएफ ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लखनऊ जंक्शन से नई दिल्ली जाने वाली वीआईपी ट्रेन शताब्दी एक्सप्रेस में शनिवार को ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग कर्मचारियों की लापरवाही के कारण गेट नहीं खुले। इससे काफी देर तक 600 यात्री बारिश के बीच प्लेटफॉर्म पर खड़े रहे। यात्री कृष्ण कुमार ने रेलवे प्रशासन से इसकी शिकायत की है।

सीट नहीं, फिर भी कर दिया रिजर्वेशन- लखनऊ-वाराणसी शटल ट्रेन की चेयरकार बोगी सी-2 में दो सीटों की फीडिंग ऑनलाइन गलत दर्ज हो गई। बताया जा रहा है कि यह दिक्कत कई दिनों से है। इसके चलते यात्रियों को सीट संख्या 74 व 75 आवंटित कर दी जाती है, लेकिन जब यात्री ट्रेन में पहुंचते हैं तो उन्हें सीट ही नहीं मिलती। पता चलता है कि ये सीटें हैं ही नहीं। यात्री सुनव बासु बिस्वास ने उत्तर रेलवे प्रशासन से इसकी शिकायत की है।

कैसे हुई चंद्रेश की मौत, पुलिस पर गंभीर आरोप...फंदे पर लटकी मिली लाश; भाई पर भी हुआ था हमला

आगरा, एजेंसी। आगरा के राकेश नगर (ट्रांस यमुना) में 26 वर्षीय मजदूर चंद्रेश का शव रविवार रात 10 बजे घर में फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने हत्या कर शव लटकाने की आशंका जाहिर की है। उन्होंने कहा कि चंद्रेश के भाई बहोरन पर घर के बाहर जानलेवा हमला हुआ था। 29 दिन बाद भी पुलिस ने एक भी आरोपी गिरफ्तार नहीं किया। उल्टा उनके घर में दबिश देकर धमकाया। दहशत में परिवार दूसरी जगह रहने लगा। चंद्रेश घर में ही रुका हुआ था। मामले में पुलिस जांच कर रही है। राकेश नगर निवासी बहोरन सिंह ने बताया कि 1 जून को वह घर के बाहर बैठे हुए थे। तभी मोनू सविता और अमित यादव आए। उन्होंने हाथों में तमंचे लिए थे। दोनों ने फायर किए। अमित यादव का फायर मिस हो गया। हमलावरों के साथ रेवी यादव सहित कई युवक और भी थे। उन्होंने घर में छिपकर किसी तरह अपनी जान बचाई।

बहोरन सिंह का आरोप है कि पुलिस ने तीनों - आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। मगर, अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया। 20 जून को पुलिस ने उनके घर में दबिश दी। पुलिस उनके परिचित लवकुश की तलाश में आई थी। वह उनके घर में रहने आया था।

पूरे प्रदेश में मानसून का असर

30 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी; बढ़ा नदियों का जलस्तर

लखनऊ , एजेंसी। उत्तरप्रदेश में मानसून की चाल कुछ दिनों तक मद्धिम रहने के बाद, रविवार से इसकी जोरदार वापसी हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में मानसूनी ट्रफ लाइन खिसक कर मध्य यूपी की तरफ आ गया है। इसके असर से 30 जून से 1 जुलाई के बीच पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश की संभावना है। बारिश से दिन के पारे में 3 से 4 डिग्री की गिरावट आएगी और गर्मी से तात्कालिक तौर पर राहत मिलेगी।

रविवार से सोमवार के दौरान सहारनपुर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, शामली समेत सात जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं सोमवार को लगभग 35 जिलों में भारी बारिश् और 65 जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी है। रविवार को देवरिया, बागपत, संभल आदि को छोड़कर बाकी पूरे प्रदेश में हल्की से मध्यम फुहारें देखने को मिली। फर्रुखाबाद में सर्वाधिक 90 मिमी बारिश रिकार्ड की गई।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को दक्षिण पश्चिमी मानसून पश्चिमी यूपी के बचे हुए हिस्सों समेत पूरे प्रदेश में सक्रिय हो गया। साथ ही मानसून की ट्रफ लाइन यानी मुख्य धारा खिसक कर मध्य यूपी की ओर आ जाने से सोमवार को उत्तरी और मध्य यूपी में अच्छी बारिश के संकेत हैं।

यहां है भारी बारिश की संभावना- सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, गोंडा, श्रावस्ती, सीतापुर, हरदोई, फरुखाबाद, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, सहारनपुर, शामली,

मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में।

मेघगर्जन व आकाशीय बिजली गिरने की संभावना

प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फरुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अम्बेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में।

हरियाणा-पंजाब में भारी बारिश

हरियाणा और पंजाब में संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ समेत कई क्षेत्रों में अभी तीन से चार दिन दोनों ही राज्यों में भारी बारिश जारी रहने का अनुमान है। रविवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक चंडीगढ़ में 119.5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। हरियाणा में रोहतक, गुरुग्राम, कैथल, नूह और पंचकुला में भारी बारिश हुई और कुल 91 मिमी वर्षा दर्ज की गई। दोनों राज्यों में ज्यादातर क्षेत्रों में 1 जुलाई तक भारी बारिश होने की संभावना है।

झारखंड में रेड अलर्ट के बीच भारी बारिश

आईएमडी ने झारखंड में 2 जुलाई की सुबह तक भारी बारिश होने की संभावना जताई है। सोमवार के लिए रेड अलर्ट भी जारी किया है। रांची समेत पूरे प्रदेश में भारी बारिश हो रही है। पूर्वी सिंहभूम जिले के कोवाली थाना क्षेत्र में शनिवार को भारी बारिश के कारण प्राइवेट लव कुश आवासीय स्कूल जलमग्न हो गया और 162 छात्र फंस गए। स्कूल परिसर, कक्षाओं और छात्रावास में पानी भर जाने से छात्रों को छत पर रात बितानी पड़ी।

मानसून के सक्रिय होते ही अवध में बढ़ने लगा नदियों का जलस्तर

मानसून के सक्रिय होने और नेपाल में तेज बारिश से अवध क्षेत्र में नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। गोंडा जिले के करनैलगंज क्षेत्र में सरयू नदी का जलस्तर 37 सेंटीमीटर बढ़कर खतरे के निशान से मात्र डेढ़ मीटर दूर रह गया है। अंबेडकरनगर जिले के कम्हरिया क्षेत्र में सरयू नदी में पानी तेजी से बढ़ रहा है। यहां कटान भी शुरू हो गया है। बहराइच के जानकी नगर गांव में तीन दिन के अंदर सरयू की धारा में 11 पक्के मकान समा गए। सीतापुर जिले में सरयू व शारदा का जलस्तर बढ़ने से निचले क्षेत्रों में पानी फैलने लगा है।

प्रेमिका से वीडियो कॉल करते हुए युवक ने खुद को मारी गोली

बंद कमरे के बाहर रोती रही पत्नी और दो बच्चे

मेरठ , एजेंसी। गांव मवाना खुर्द में विवाहित गुलजार ने शादीशुदा प्रेमिका से वीडियो कॉल पर कहासुनी होने के बाद खुद के पेट में गोली मार ली। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर उसे निकाला और परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने कमरे से एक तमंचा 315 बोर, दो खोखे व दो कारतूस बरामद किए हैं।

गांव मवाना खुर्द निवासी गुलजार (32) विवाहित है। गुलजार के दो बच्चे हैं, आठ साल का एक लड़का और छह साल की लड़की है। गुलजार मोबाइल टावर की फाउडेंशन बनाने की ठेकेदारी करता है। उसकी पत्नी ने बताया कि गुलजार के मुजफ्फरनगर के खतौली निवासी किसी विवाहित महिला से तीन-चार साल से अनैतिक संबंध हैं। वह दो

दिन पहले घर से गया था, शनिवार रात को वापस लौटा, लेकिन परिवार के किसी सदस्य से उसने कोई बात नहीं की।

रविवार सुबह वह उसके कमरे में नाश्ता देने गई, तो गुलजार उसी महिला से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था। गुलजार ने उससे खाना लिया और धक्का देकर बाहर निकाल दिया व दरवाजा बंद कर लिया। अंदर से आवाज आ रही थी। गुलजार कह रहा था कि तूने मेरे साथ खेल खेला है। कुछ देर बाद गोली चलने की आवाज आई तो परिवार में हंगामा मच गया।

गुलजार को इलाज के लिए मेरठ प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं पुलिस ने कमरे में रखी ड्रेसिंग टेबल से तमंचा और दो कारतूस व दो खोखे बरामद किए। पत्नी का कहना है कि उसका पति से कोई विवाद नहीं है। पति ने रिश्तेदारों से कहा है कि उसकी मौत की जिम्मेदार खतौली निवासी महिला होगी। वहीं पुलिस का कहना है कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

190 करोड़ की साइबर ठगी का पर्दाफाश: दो गुजराती ठग गिरफ्तार

✹ एनसीआर टुडे. आतमगढ़ ✹

आजमगढ़ पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 190 करोड़ रुपये के साइबर ठगी रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस

मामले में गुजरात से दो मुख्य साइबर ठगों को गिरफ्तार किया गया है, जो इस विशाल धोखाधड़ी के पीछे सक्रिय थे। यह मामला तब सामने आया जब आजमगढ़ के कई निवासियों ने साइबर अपराध शाखा में शिकायतें दर्ज कराईं कि उन्हें विभिन्न ऑनलाइन योजनाओं और निवेशों के बहाने ठगी का शिकार बनाया गया है। पुलिस ने इन शिकायतों की गंभीरता को समझते हुए एक विशेष टीम का गठन किया और जांच शुरू की।

जांच और गिरफ्तारीः

गहन जांच और तकनीकी निगरानी के बाद, पुलिस को इस धोखाधड़ी के तार गुजरात से जुड़े होने का पता चला। आजमगढ़ पुलिस की टीम ने गुजरात में दबिश दी और दो संदिग्ध साइबर ठगों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये ठग एक सुनियोजित गिरोह का हिस्सा थे जो पूरे देश में अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए ठगों के पास से कुछ महत्वपूर्ण दशतावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और बैंक खातों से संबंधित विवरण जब्त किए हैं, जो इस बड़े नेटवर्क को समझने में मदद करेंगे। जांचकर्ता अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके ठगी के नेटवर्क का पता लगाने में जुटे हैं। 190 करोड़ की यह राशि इस गिरोह द्वारा अब तक की गई कुल धोखाधड़ी का अनुमानित आंकड़ा है, और अभी भी जांच जारी है।

इस पर्दाफाश से आजमगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में साइबर अपराधों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी और लोगों में ऐसे जालसाजों से सतर्क रहने के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन ऑफर या संदेशों पर भरोसा न करें और किसी भी प्रकार की साइबर ठगी की जानकारी तत्काल साइबर क्राइम हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस स्टेशन में दें।

नाबालिग को आतंकवादी बनाने की साजिश का पर्दाफाश, ब्रैनवॉश कर केरल ले गई थी आरोपी

✹ एनसीआर टुडे. इलाहाबाद ✹

उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में एक नाबालिग का धर्म परिवर्तन कराकर आतंकवादी बनाने की साजिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। परिवार का आरोप है कि नाबालिग को जबरन बहला-फुसलाकर इलाहाबाद से केरल ले जाया गया, जहां उसका धर्म परिवर्तन कर उसे आतंकवादी गतिविधियों में शामिल करने की तैयारी की जा रही थी।

पुलिस के अनुसार, 28 जून को गुड्डी देवी ने थाना फूलपुर को एक शिकायत दी थी कि उसकी नाबालिग बेटी को पड़ोस की लड़की दरकशा बानो बहला-फुसलाकर और पैसों का लालच देकर धर्म परिवर्तन कराने के उद्देश्य से अपने साथ केरल लेकर चली गई। जब उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस से की तो परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई।

डीसीपी कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि आरोपी दरकशा बानो नाबालिग को प्रयागराज से पहले दिल्ली लेकर गई और उसके बाद वे केरल गए, जहां नाबालिग का धर्म परिवर्तन कराया गया।

नाबालिग का आरोप है कि वहां कुछ संदिग्ध लोगों से भी उसकी मुलाकात कराई गई, जिन्होंने पैसों का लालच दिया। इतना ही नहीं, उस पर जिहाद की ट्रेनिंग लेने का दबाव बनाया गया। हालांकि, वह किसी तरह वहां से भाग निकली और स्थानीय थाने पहुंची, और इसके बाद उसके परिजनों से संपर्क किया गया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि केरल पुलिस की मदद से नाबालिग को केरल से इलाहाबाद वापस लाया गया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपी युवती दरकशा और उसके साथी मोहम्मद कैफ को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच के मुताबिक, आरोपी युवती किसी गिरोह से जुड़ी हुई है, जो गरीब और दलित लड़कियों को ब्रेनवॉश कर धर्म परिवर्तन कराता है। साथ ही यह गिरोह लड़कियों को आतंकी गतिविधियों में शामिल कराता था। इस मामले में गहनता से जांच कराई जा रही है।

डीसीपी ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। टीमें केरल जाकर इस मामले की जांच करेंगी।

आजम-अखिलेश में बढ़ती दूरियां

तजीन फात्मा बोलीं- उन्हें किसी से कोई उम्मीद नहीं...सिर्फ अल्लाह पर भरोसा

रामपुर, एजेंसी। जेल में बंद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां से उनकी पत्नी तजीन फात्मा की मुलाकात के बाद दिए गए बयान ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। पूर्व सपा सांसद तजीन ने कहा कि अब उन्हें किसी से कोई उम्मीद नहीं है, सिर्फ अल्लाह पर भरोसा है। उनके इस बयान को समाजवादी पार्टी के प्रति उनकी नाराजगी से जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर यह नाराजगी बढ़ी तो सपा के लिए मुस्लिमों को पार्टी से जोड़े रखने की चुनौती बढ़ जाएगी। तीन दिन पहले आजम खां की पत्नी तजीन उनसे मिलने पहुंचीं। मुलाकात के बाद पत्रकारों ने जब उनसे सवाल किया कि अब सपा के नेता भी आजम खां का हालचाल जानने नहीं आ रहे हैं, जबकि पहले बहुत लोग आते थे। अब सपा से क्या उम्मीद है, इस पर वह बोलीं, हमें किसी से कोई उम्मीद नहीं है। सिर्फ अल्लाह पर भरोसा है। उनका यह बयान रामपुर के सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल कहते हैं कि अखिलेश यादव ने आजम खां के बचाव में कोई काम नहीं किया।

न तो कोई आंदोलन किया और न ही कराया है। वह पार्टी के अध्यक्ष हैं, फिर भी मुसीबत में फंसे पार्टी के नेताओं का साथ नहीं देते। केवल बयानबाजी करते हैं, जबकि मुलायम सिंह यादव सड़क पर उतरकर अपने लोगों का साथ देते थे। आजम खां ने 2001 में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक प्रेम प्रकाश के खिलाफ चार महीने तक आंदोलन किया था, तब प्रदेशभर के सपाइयों ने आंदोलन में हिस्सा लिया था। खुद मुलायम सिंह रामपुर आए थे। आजम खां समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य रहे हैं। पार्टी का मुस्लिम चेहरा होने के साथ ही फायरब्रांड नेता भी हैं। वह अपनी तीखी बयानबाजी के जरिए ही सियासत में अर्श पर पहुंचे और इसी बयानबाजी के कारण मुसीबत में फंस गए। 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने अधिकारियों के बारे में भी जमकर बयानबाजी की। यहां तक कह दिया कि डीएम से जूते साफ कराएंगे। इसी के चलते प्रशासन से छत्तीस का आंकड़ा हो गया और उनके खिलाफ 100 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हो गए। उनके दोनों बेटों, पत्नी और बहन के खिलाफ भी बड़ी संख्या में मुकदमे दर्ज हुए। आजम खां को छह मामलों में सजा भी हो चुकी है और अक्तूबर 2022 से वह सीतापुर जेल में बंद हैं।

अखिलेश बोले- हम तजीन की बात से सहमत

तजीन फात्मा के बयान पर लखनऊ में जब पत्रकारों ने सपा मुखिया अखिलेश यादव से बात की तो वह बोले, हम उनकी बात से सहमत हैं। उनके खिलाफ जो झूठे मुकदमे कराए गए हैं, वो किससे कहें... हम किससे कहें। उन्हें कोर्ट से इंसाफ मिल सकता है या ऊपर वाले से। सरकार बदलने पर भी उनकी मदद हो सकती है। अखिलेश के इस बयान की भी रामपुर के सपाइयों में खूब चर्चा हो रही है।

चंद्रशेखर से बढ़ रहीं नजदीकियां- आजम खां के परिवार की आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद से भी नजदीकियां बढ़ रहीं हैं। वह कई बार जेल में बंद आजम खां, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और तंजीम फात्मा से मुलाकात कर चुके हैं। आजम खां के पक्ष में खुलकर बोलते भी हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान आजम खां और चंद्रशेखर मिलकर नया मोर्चा बना सकते हैं। इससे दलित और मुस्लिम गठजोड़ को मजबूती मिलेगी। ऐसा हुआ तो यह सपा मुखिया अखिलेश यादव के लिए चुनौती होगी कि वह मुस्लिमों को कैसे पार्टी से जोड़े रखते हैं।

सियासत में आजम का दबदबा

रामपुर की सियासत में लंबे समय तक आजम खां का दबदबा रहा है। वह शहर से 10 बार विधायक चुने गए। राज्यसभा और लोकसभा सदस्य भी रहे हैं। प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष भी बने और चार बार सपा सरकार में कई विभागों में मंत्री रहे। उनकी पत्नी तजीन फात्मा भी राज्यसभा सदस्य रहने के साथ ही शहर से विधायक चुनीं गईं। बेटे अब्दुल्ला आजम दो बार स्वार-टांडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे, लेकिन दोनों बार उनकी विधायकी कोर्ट के आदेश से चली गई। पहली बार कम उम्र में चुनाव लड़ने तो दूसरी बार मुकदमे में सजा के कारण विधायकी गई।

स्मिथ को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में वापसी का भरोसा

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए चोट से उबरने के लिए समय पर वापसी को लेकर आशावादी हैं। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उंगली में लगी चोट के कारण कैरेबियाई टीम के खिलाफ चल रही तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट से चूकने वाले स्मिथ ने हाल ही में प्रभावित क्षेत्र से अपने टांके हटवाए हैं और ऑस्ट्रेलियाई टीम में नंबर 4 पर अपनी जगह फिर से हासिल करने के लिए तैयार हैं।

अनुभवी खिलाड़ी रविवार को कैरेबियाई टीम में अपने साथियों के साथ जुड़ गए और मंगलवार को पूर्ण अभ्यास में भाग लेने की उम्मीद है ताकि वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में 159 रनों से जीत दर्ज करने वाली टीम में वापसी की जा सके। स्मिथ को उनकी चोटिल उंगली के लिए एक पतली पट्टी लगाई जाएगी और, हालांकि वह स्लिप में अपनी सामान्य स्थिति में फील्डिंग नहीं कर पाएंगे, लेकिन 36 वर्षीय खिलाड़ी को बल्लेबाजी करते समय कोई समस्या नहीं होने की उम्मीद है और उन्हें दूसरे टेस्ट में खेलने की उम्मीद है।

स्मिथ ने कहा, मेरे लिए, यह सामान्य प्रशिक्षण की तरह ही महसूस होगा। मुझे वास्तव में कोई दर्द या कुछ भी महसूस नहीं होता है। (यह) बस पट्टी और थोड़ी सीमित हरकत की आदत डालना है। यह बहुत बुरा नहीं है, अब मुझे वहां बहुत अधिक हरकत मिलती है, इसलिए यह अच्छा लगता है। गेंद को मारना पूरी तरह से ठीक लगा। विकेट के सामने कुछ गेंदों को फील्ड करना शायद मेरे लिए सबसे अजीब बात होगी, मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी टेस्ट मैच में ऐसा किया है। संभवतः मिड-ऑन या मिड-ऑफ या फाइन लेग पर फील्डिंग करना, दूसरे या पहले स्लिप पर खड़े होने से थोड़ा अलग है। स्मिथ के ऑस्ट्रेलिया की टीम में वापसी का मतलब है कि रिजर्व बल्लेबाज जोश इंगलिस को बाहर बैठना पड़ सकता है, क्योंकि उन्होंने बारबाडोस में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान सिर्फ 5 और 12 रन बनाए थे।

छह साल के तेगबीर सिंह ने बनाया विश्व रिकार्ड

यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी फतह की

रूपनगर (एजेंसी)। पंजाब में रूपनगर शहर के रहने वाले तेगबीर सिंह ने रूस में स्थित माउंट एल्ब्रस पर 18510 फुट (5642 मीटर) से अधिक की ऊंची चोटी फतह करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। तेगबीर ने 20 जून को माउंट एल्ब्रस की चढ़ाई के लिए यात्रा शुरू की और 28 जून को चोटी फतह कर ली थी। इसी के साथ छह साल और नौ महीने के तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोह बन गया है।

उल्लेखनीय है कि माउंट एल्ब्रस कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्र है और यहां का सामान्य तापमान -10 डिग्री सेल्सियस तक रहता है तथा चढ़ाई के दौरान कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। रूस के पर्वतारोहण, रॉक क्लाइम्बिंग और

स्पोर्ट्स टूरिज्म फेडरेशन ऑफ काबडिर्नो बाल्केरियन रिपब्लिक ने माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले तेगबीर को पर्वतारोहण प्रमाणपत्र जारी किया।

प्रमाणपत्र में लिखा है कि यह प्रमाणित किया जाता है कि भारत के 6 साल 9 महीने और 4 दिन की उम्र में तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस पर चढ़ने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही हैं। इसी के साथ तेगबीर ने पिछले साल सात वर्ष और तीन महीने की उम्र में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले वाघा कुशाग्र (महाराष्ट्र, भारत के मूल निवासी) के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

अगस्त 2024 में वह माउंट किलिमंजारो (अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी) पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के एशियाई बन गए थे और उनका नाम एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। वह अप्रैल 2024 में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप (नेपाल) भी पहुंचे थे। चोटी फतह करने वाले तेगबीर सिंह ने कहा, 'मुझे पता था कि मुझे कहां पहुंचना है और आखिरकार मैं पहुंच गया और वहां अपने पिता के साथ एक तस्वीर खिंचवाई। तेगबीर ने कहा मैं पहली बार बर्फ पर चल रहा था, मेरे जूते भारी थे, लेकिन मैंने इसका अभ्यास किया था।

आयुष ने यूएस ओपन सुपर 300 के साथ बीडब्ल्यूएफ टूर पर जीता पहला खिताब, तन्वी उप-विजेता रही

आयोवा (अमेरिका) (एजेंसी)। उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। आयुष की इस जीत ने मौजूदा सत्र में विश्व टूर पर भारत के खिताबी सूखे को खत्म किया। विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2023) कांस्य पदक विजेता 20 साल के आयुष नेतीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-13 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने एक शानदार सप्ताह का समापन किया जिसमें सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चोऊ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एक यादगार जीत भी शामिल है। यांग के खिलाफ यह आयुष की यह तीसरी जीत है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में मलेशिया और ताइपे ओपन में भी कनाडा के इस खिलाड़ी को दो बार हराया था। महिला एकल के फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा उपविजेता रहीं। उन्हें शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। विश्व टूर स्तर के अपने पहले फाइनल में खेल रही गैर-वरीयता प्राप्त इस किशोर खिलाड़ी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

बॉक्सिंग: निकहत और अंकुशिता की शानदार जीत, एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में बनाई जगह

हैदराबाद, एजेंसी। क्वार्टरफाइनल के अन्य नतीजों में प्रीति (54 किग्रा), ज्योति (51 किग्रा) और देविका घोरपड़े (51 किग्रा) ने सर्वसम्मत फैसलों से सेमीफाइनल में जगह बनाई। दो दफा की विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने रविवार को यहां एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट के दूसरे दिन शानदार जीत से 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निकहत ने कल्पना पर 5-0 से शानदार जीत के साथ घरेलू दर्शकों को खुश कर दिया। पूर्व युवा विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और राजस्थान की मुक्केबाज पार्थवी पर 5-0 की

शानदार जीत के साथ 65 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल के अन्य नतीजों में प्रीति (54 किग्रा), ज्योति (51 किग्रा) और देविका घोरपड़े (51 किग्रा) ने सर्वसम्मत फैसलों से सेमीफाइनल में जगह बनाई।

तमिलनाडु की वी लक्ष्या (51 किग्रा) ने लक्ष्मी देवी पर 5-0 की जीत से प्रभावित किया जबकि तनु (54 किग्रा), शशि (65 किग्रा) और यशी शर्मा (65 किग्रा) भी मजबूत प्रदर्शन की बदौलत अगले दौर में पहुंची। अंकुशिता की 'टॉप्स' साथी गीतिमोनी गोगोई 70 किग्रा में आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) के जरिए आगे बढ़ीं और बेबीरोजसाना चानू (57 किग्रा) ने भी जीत दर्ज की। सेमीफाइनल सोमवार को होंगे।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर को बड़ी जिम्मेदारी

- **पीसीबी ने टेस्ट टीम का कार्यवाहक मुख्य कोच बनाया**

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अजहर महमूद को पुरुष टेस्ट टीम का कार्यवाहक मुख्य कोच नियुक्त किया है। पीसीबी की ओर से अजहर की नियुक्ति को लेकर जारी बयान में कहा है कि अजहर महमूद ने शानदार अनुभव के साथ राष्ट्रीय टीम के सहायक मुख्य कोच की भूमिका को संभाला है। वह लंबे समय से टीम के रणनीतिक कोर का अहम हिस्सा रहे हैं। क्रिकेट के बारे में उनका गहरा ज्ञान, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और इंग्लिश काउंटी सर्किट में सफलता हासिल करना उन्हें इस पद के लिए असाधारण रूप से उपयुक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि अजहर अपने मौजूदा अनुबंध के समापन, अगले टेस्ट मैचों, अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर और दिसंबर-जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने मैचों तक अपने पद पर बने रहेंगे।

अजहर को 2024 की शुरुआत में पाकिस्तान के न्यूजीलैंड के सफेद गेंद दौरे से पहले अंतरिम आधार पर नियुक्त किए जाने के बाद से राष्ट्रीय टीम के सहायक कोच थे। 50 वर्षीय पूर्व ऑलराउंडर ने 20 साल की उम्र में क्रिकेट में पदार्पण किया था।

एशिया कप भारत में, पाकिस्तान को नहीं मिलेगी देश में एंट्री!

हॉकी इंडिया के अधिकारी का बयान आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में हॉकी पुरुष एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता के बीच हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में सरकार के साथ बातचीत जारी है और उसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। बिहार का ऐतिहासिक शहर राजगीर 29 अगस्त से 9 सितंबर तक राजगीर हॉकी स्टेडियम में पुरुष एशिया कप 2025 की मेजबानी करेगा। पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले में 26 लोगों की जान जाने के बाद पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम की महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भागीदारी खतरे में है। टूर्नामेंट में दो महीने से भी कम समय बचा है और हॉकी इंडिया अभी भी पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम के

देश में आने के लिए सरकारी मंजूरी का इंतजार कर रहा है। हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने अगस्त में एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम सरकार के संपर्क में हैं और हम उसके निर्देशों का पालन करेंगे। मौजूदा स्थिति के अनुसार मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान टीम को भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

पुरुषों का एशिया कप 2025-2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में काम करेगा, जिसकी मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड करेंगे। टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप में एक प्रतिष्ठित स्थान अर्जित करेगा। इसके अलावा भारत एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की भी मेजबानी करेगा, जो 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को बाहर करने की मांग के कारण भारत में जूनियर इवेंट में पाकिस्तान की भागीदारी भी संदेह में है। उन्हें विस्तारित 24-टीम टूर्नामेंट में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के साथ रखा गया था। पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम ने आखिरी बार 2023 में भारत का दौरा किया था, जब भारत ने चेन्नई, तमिलनाडु में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने फाइनल में मलेशिया को 4-3 से हराकर रिकॉर्ड चौथा खिताब जीता था।

FIFA WC:

अगले साल रिकॉर्ड छठा विश्व कप खेलेंगे क्रिस्टियानो रोनाल्डो, क्लब वर्ल्ड कप नहीं खेलने की वजह भी बताई

लिस्बन, एजेंसी। ऐसी अटकलें थीं कि वह अमेरिका में चल रहे क्लब विश्व कप में खेलने के लिए किसी अन्य क्लब से जुड़ सकते हैं। हालांकि, उन्होंने इसका खंडन किया और अगले साल फीफा विश्व कप खेलने की इच्छा जताई है।

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो रिकॉर्ड छठे फीफा विश्व कप में खेलने के लिए क्लब विश्व कप का हिस्सा नहीं बने हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह लंबा सत्र है और वह आराम कर के खुद को फिट और तरोताजा रखना चाहते हैं। रोनाल्ड अगले साल फीफा विश्व कप तक 41 वर्ष के हो जाएंगे। रोनाल्डो ने सऊदी अरब के अपने क्लब अल नस्र द्वारा पोस्ट किए गए एक इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, मेरे पास क्लब विश्व कप खेलने के कुछ प्रस्ताव थे, लेकिन मुझे लगता है कि इसका कोई मतलब है क्योंकि मैं अच्छी तरह से आराम करना और बेहतर तैयारी करना पसंद करता हूं। यह सत्र बहुत लंबा होगा क्योंकि सत्र के अंत में विश्व कप खेला जाना है।

उन्होंने अल नस्र के साथ दो साल के अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा, इसलिए मैं न केवल अल नस्र के लिए बल्कि राष्ट्रीय टीम के लिए भी तैयार रहना चाहता हूं। 40 वर्षीय रोनाल्डो ने तीन हफ्ते पहले स्पेन के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट जीत के साथ पुर्तगाल को नेशंस लीग ट्रॉफी जीतने में मदद की थी।

इससे पहले ऐसी अटकलें थीं कि वह अमेरिका में चल रहे क्लब विश्व कप में खेलने के लिए किसी अन्य क्लब से जुड़ सकते हैं। वह और लंबे समय से अर्जेंटीना के प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह-मेजबानी वाले टूर्नामेंट में छह विश्व कप में खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन सकते हैं।

अमेरिका के मैथ्यू मार्कस ने वर्ल्ड क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड चैम्पियनशिप 2025 - व्यक्तिगत खिताब जीता

लंदन, एजेंसी। वर्ल्ड क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड चैम्पियनशिप 2025 की शुरुआत 28 जून को इसके प्रमुख इवेंट व्यक्तिगत चैम्पियनशिप के साथ रोमांचक अंदाज़ में हुई। यह एक घंटे की तीव्र ऑनलाइन प्रतियोगिता थी, जिसमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रॉसवर्ड सॉल्वर्स ने अपनी बुद्धिमत्ता और शब्दों की पकड़ का परिचय दिया। कड़े मुकाबले के बाद, मैथ्यू मार्कस (अमेरिका) ने बाज़ी मारी और विश्व विजेता का खिताब अपने नाम किया।

यह मुकाबला भाषायी कौशल और मानसिक फुर्ती का शानदार संगम रहा। एरिक एगार्ड, मार्क गुडलीफ, और कॉलीन थॉमस जैसे दिग्गजों की उपस्थिति और नए प्रतिभागियों के प्रभावशाली प्रदर्शन ने इस आयोजन को अनुभव और नई ऊर्जा का संगम बना दिया। इस व्यक्तिगत चैम्पियनशिप में दो कठिन क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड ग्रिड शामिल थे।

विंबलडन रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सबसे अच्छा मौका: नोवाक जोकोविच

लंदन, एजेंसी। नोवाक जोकोविच से भले ही अब किसी टूर्नामेंट के शुरू होने पर अक्सर उनके संन्यास को लेकर सवाल किया जाता है लेकिन इस स्टार टेनिस खिलाड़ी की निगाह सोमवार से शुरू होने वाले विंबलडन पर टिकी हैं जिसे वह अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका मानते हैं।

जोकोविच अभी 38 साल के हैं और विंबलडन से पहले उनसे यही सवाल पूछा गया कि क्या वह आखिरी बार इस प्रतियोगिता में खेलेंगे। इस 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन का जवाब भी रटा रटाया था। जोकोविच ने कहा, 'क्या यह मेरा आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट हो सकता है। इसको लेकर अभी मैं पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मैं अगले साल फ्रेंच ओपन या किसी अन्य ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग लूंगा या नहीं, इसको लेकर निश्चित नहीं हूं। उन्होंने कहा, 'मेरी इच्छा कई और साल तक खेलना है। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह फिट रहना चाहता हूं। यही मेरा लक्ष्य है लेकिन उम्र के इस पड़ाव पर आप पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते कि आगे क्या होगा। जोकोविच ने यह स्वीकार किया कि ऑल इंग्लैंड क्लब उन्हें एक और ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने का सबसे अच्छा अवसर प्रदान कर सकता है, जिससे वह अपने करियर में कुल 25 खिताब जीत सकेंगे। यह एक ऐसी संख्या जिस तक कोई भी टेनिस खिलाड़ी नहीं पहुंच पाया है। विंबलडन में सात बार के चैंपियन जोकोविच ने कहा, 'मैं इस बात पर सहमत हो सकता हूं कि विंबलडन में फिर से चैंपियन बनने का यह मेरे लिए सबसे अच्छा मौका हो सकता है। यह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा लेकिन अभी मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। जोकोविच मंगलवार को पहले दौर में एलेक्जेंडर मुलर का सामना करेंगे।

फॉफ ने ठोका सीजन का दूसरा शतक

टेक्सास ने मुकाबला 39 रन से जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। मेजर लीग क्रिकेट के 21वें मैच में टेक्सास सुपर किंग्स के कप्तान फॉफ डुप्लेसिस ने एमआई न्यूयॉर्क के खिलाफ कप्तानी पारी खेलते हुए नाबाद शतक लगाया। ये इस सीजन में डुप्लेसिस का दूसरा शतक रहा साथ ही ओवरऑल इस लीग में ये उनका तीसरा शतक रहा और वो इस लीग में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। इस मैच में न्यूयॉर्क के कप्तान निकोलस पूरन ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया और फिर सुपर किंग्स ने पहले खेलते हुए डुप्लेसिस के नाबाद शतक और डोनोवन फेरेरा के तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 4 विकेट पर 223 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

न्यूयॉर्क के खिलाफ डुप्लेसिस ने अपना शतक 51 गेंदों पर पूरा किया जबकि इस मैच में उन्होंने 53 गेंदों पर नाबाद 103 रन की पारी खेली। इस पारी के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 194.34 का रहा जबकि उन्होंने 9 छक्के और 5 चौके भी लगाए। इस सीजन में ये डुप्लेसिस का दूसरा शतक रहा इससे पहले उन्होंने सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के खिलाफ 20 जून को 100 रन की पारी खेली थी। डुप्लेसिस 40 साल की उम्र में जिस तरह की बैटिंग कर रहे हैं वो अपने आप में कमाल है और मेजर लीग क्रिकेट के इतिहास में वो अब सबसे ज्यादा शतक (3) लगाने वाले बैटर भी बन गए हैं। वहीं टी20 क्रिकेट में ओवरऑल ये डुप्लेसिस का 8वां शतक रहा। सुपर किंग्स ने कप्तान डुप्लेसिस के नाबाद 103 रन की पारी साथ ही डोनोवन फेरेरा की अर्धशतकीय पारी के दम पर 223 रन बनाए। फेरेरा ने भी गजब की पारी इस मैच में खेली और उन्होंने 265.00 की स्ट्राइक रेट के साथ 20 गेंदों पर 53 रन ठोक दिए। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 5 छक्के और 3 चौके भी लगाए। इसके अलावा मार्कस स्टोइनिस ने भी 22 गेंदों पर 25 रन जबकि सैतेजा मुक्कामल्ला ने भी 18 गेंदों पर 25 रन की पारी खेली। एमआई न्यूयॉर्क की तरफ से रुशिल उगरकर और जॉर्ज लिंडे को 2-2 सफलता मिली।